राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात, संस्करण रविवार,05जुलाई2020 वर्ष–2, अंक –122 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत विरोधी बयान देने वाले नेपाल के प्रधानमंत्री की जा सकती है कुर्सी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल की सत्तारुढ़ कम्युनिस्ट पार्टी की स्थाई समिति की आज अहम बैठक होने जा रही है। इस बैठक में नेपाल के प्रधानमंत्री के. पी. शर्मा ओली के भविष्य पर निर्णय लिया जाएगा। पार्टी सूत्रों ने यह जानक. ारी दी है। भारत विरोधी टिप्पणी करने को लेकर प्रधानमंत्री पद से ओली के इस्तीफ़े की बढ़ती मांग के मद्देनज़र यह बैठक हो रही है।

एनसीपी के कार्काारी अध्यक्ष पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' प्रधानमंत्री आवास में बैठक की। तीन घंटे तक चली बैठक दोनों शीर्ष नेताओं के बीच विश्वास बहाल करने के लिए हुई। ओली के साथ बैठक के बाद प्रचंड ने नेपाल की राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी से भी मुलाकात की। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी एनपीसी की 45 सदस्यीय स्थाई समिति की बैठक गुरुवार को स्थगित कर दी गई क्योंकि पार्टी का शीर्ष नेतृत्व प्रधानमंत्री ओली के इस्तीफे पर कोई आम सहमति बना पाने में नाकाम रहा। यह समिति पार्टी की सबसे प्रभावशाली इकाई है। एनसीपी के शीर्ष नेताओं ने प्रधानमंत्री ओली के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि उनकी हालिया भारत विरोधी टिप्पणी ना तो राजनीतिक रूप से सही है और ना कूटनीतिक रूप से उपयुक्त है।

प्रचंड ने कहा था, प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी कि भारत उन्हें

अपदस्थ करने की साजिश रच रहा है, ना तो राजनीतिक रूप से सही है और ना कूटनीतिक रूप से उपयुक्त है। प्रधानमंत्री ओली ने दावा किया था कि उन्हे पद से हटाने के लिए दूतावासों और होटलों में विभिन्न तरह की गतिविधियां चल रही हैं। उन्होंने कहा कि देश के मानचित्र को अद्यतन कर उसमें रणनीतिक रूप से तीन भारतीय क्षेत्रो लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा को शामिल किए जाने संबंधी उनकी सरकार के कदम के बाद के खेल में कुछ नेपाली नेता भी संलिप्त हैं।

पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने स्थाई समिति की बैठक दौरान प्रचंड द्वारा कही गई बात को उद्धृत करते हुए कहा कि दक्षिणी पड़ोसी देश और अपनी ही पार्टी के नेताओं पर प्रधानमंत्री ओली द्व ारा आरोप लगाया जाना उचित नहीं है। प्रचंड ने पहले भी और बार–बार यह कहा है कि सरकार तथा पार्टी के बीच समन्वय का अभाव है। साथ ही, वह एनसीपी द्वारा एक व्यक्ति एक पद प्रणाली का पालन किए जाने पर जोर दे रहे हैं। एनसीपी के दोनों धड़ों ओली के नेतृत्व वाले और प्रचंड के नेतृत्व वाले के बीच मतभेद उस वक्त बढ़ गया जब प्रधानमंत्री ने बजट सत्र का सत्रावसान करने का गुरुवार को एकपक्षीय तरीके से फैसला किया। मंत्रिमंडल के एक वरिष्ठ सदस्य के मुताबिक, ओली ने संसद का सत्रावसान करने का फैसला किया है, ताकि वह पार्टी को विभाजित करने वाले एक विवादास्पद विधेयक को फिर से पेश कर सकें।

सूत्रों ने बताया कि प्रचंड ने शनिवार को पार्टी की स्थाई समिति की बैठक बुलाई है, जिसमें प्रध ाानमंत्री के भविष्य पर निर्णय लिया जा सकता है। स्थाई समिति के सदस्य गणेश शाह ने कहा कि समिति की बैठक के दौरान दोनों पक्ष कोई ऐसा तंत्र बनाने पर काम करेंगे, जिसके तहत पार्टी और सरकार दोनों को कुछ नियम–कायदों का पालन करना होगा, ताकि मतभेद दूर हो सकें। उन्होंने यह विचार प्रकट किया कि प्रधानमंत्री ओली मनमाने तरीके से सरकार चला रहे हैं और वह पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रचंड को अपना काम नहीं करने दे रहे हैं। ओली और पूर्व प्रधानमंत्री प्रचंड, दोनों ही सत्तारूढ़ पार्टी के अध्यक्ष हैं।

कोविड–19 के दौर में प्रकाशस्तंभ की तरह है बुद्ध का संदेश

भारत को 'धम्म' की उत्पत्ति की भूमि होने पर गर्वःराष्ट्रपति कोविंद

नई दिल्ली(एजेंसी)। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा, आज जब कोरोना महामारी ने दुनियाभर में इंसानों और अर्थव्यवस्थाओं को उजाड़ दिया है तो बुद्ध का संदेश एक प्रकाशस्तंभ की तरह है। उन्होंने खुशी पाने के लिए लोगों को लालच, नफरत, हिंसा, ईर्ष्या तथा कई अन्य दोष खत्म करने की सलाह दी।

उन्होंने राष्ट्रपति भवन में अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ द्वारा आयोजित एक डिजिटल कार्यक्रम में कहा, दुनिया परेशानियों से घिरी दिखाई देती है। उन्होंने कहा, राज. ाओं और धनी लोगों के तनावग्रस्त होने की कई कहानियां हैं, जिन्होंने जीवन की क्रूरताओं से बचने के लिए बुद्ध की शरण ली। राष्ट्रपति ने कहा कि बुद्ध का जीवन पहले की धारणाओं को चुनौती देता है क्योंकि वह इस दोषपूर्ण दुनिया के बीच पीड़ा से मुक्ति पाने में विश्वास करते थे।

उन्होंने कहा कि भारत को ''धम्म'' की उत्पत्ति की भूमि होने पर गर्व है। राष्ट्रपति ने 'धम्म चक्र' दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में कहा, भारत में हम बौद्ध धर्म को परम सत्य की नवीन अभिव्यक्ति के रूप में देखते हैं। भुगतना पड़ा है और मुझे पूरी उम्मीद है कि यह पवित्र दिन आशा की एक नयी किरण लाएगा तथा खुशी की झलक देगा।

इसके साथ ही मैं कामना करता हूं यह दिन हर किसी के दिल में ज्ञान का दीपक जलाए।

कोविंद ने कहा कि भगवान बुद्ध का ज्ञान और उनके उपदेश बौद्धिक उदारतावाद और आध्यात्मिक विविधता के सम्मान की भारत की परंपरा की तर्ज पर हैं।

उन्होंने कहा कि आधुनिक दौर में दो असाधारण भारतीयों महात्मा गांधी और बाबासाहेब आंबेडकर ने बुद्ध के शब्दों में प्रेरणा को पाया और देश के भाग्य को बदलने निकल पड़े। राष्ट्रपति ने कहा, इस साल दुनिया को काफी कुछ

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linked in
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

चीन के साथ चल रहे विवाद के बीच मोदी की युवाओं को चुनौती

नई दिल्ली। चीन के साथ सीमा पर चल रहे तनाव और चीन की 59 मोबाइल ऐप पर प्रतिबंध लगाए जाने के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने युवाओं और स्ट्राट अप कंपनियों का स्वदेशी मोबाइल ऐप बनाने का आह्वान किया है। मोदी ने आज यहां आत्मनिर्भर भारत ऐप नवाचार चुनौती की शुरूआत करने के बाद ट्विट किया, यह चुनौती आपके लिए है, यदि आपके पास ऐसा उत्पाद है या आपको ऐसा लगता है कि आपके पास इस तरह के उत्पाद को बनाने का विजन और विशेषज्ञता है तो मैं प्रौद्योगिकी से जुड़े अपने सभी मित्रों से इसमें हिस्सा लेने का आग्रह करता हूं। उन्होंने कहा कि आज प्रौद्योगिकी और स्टाटअप से जुड़े लोगों में विश्व स्तरीय मेड इन इंडिया ऐप बनाने को लेकर बहुत अधिक उत्साह है। उनके विचारों और उत्पाद को आगे बढाने के लिए सरकार ने आत्मनिर्भर भारत ऐप नवाचार चुनौती पेश की है। उल्लेखनीय है कि सीमा पर चीन के साथ चल रही तनातनी के बीच भारत ने चीन की 59 मोबाइल ऐप पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह चुनौती इन ऐप के विकल्प पेश करने के लिए शुरू की गई है।

टीवी पर होंगे बाबा बर्फानी के दर्शन, सुबह-शाम होगा आरती का प्रसारण

नेशनल डेस्क । कोरोना काल को देखते हुए भोले बाबा इस बार घर पर ही अपनी पूजा कराएगे। पहली बार बाबा बर्फानी की आरती का सीधा प्रसारण किया जा रहा है। 5 जुलाई यानी कल से लाखों करोड़ो भक्तों को घर बैठे ही भोलेनाथ का दर्शन करने का मौका मिल रहा है। दरअसल रविवार को अमरनाथ यात्रा 2020 के लिए छड़ी मुबारक का आगाज हो रहा है, जिसके साथ ही बाबा अमरनाथ जी की गुफा में भव्य आरती का आयोजन किया जाएगा। आरती का प्रसारण सुबह 8 बजे से 10 बजे तक डीडी-भारती पर और शाम 5: 30 से 6 बजे तक डीडी नेशनल पर किया जाएगा। पांच जुलाई की सुबह से ही पवित्र गुफा में पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक तीन अगस्त 2020 तक रोजाना पूजा समेत सभी धार्मिक अनुष्ठान विधिपूर्वक किए जाएंगे। बाबा अमरनाथ की पवित्र गुफा के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की पहले जम्मू में कोरोना संक्रमण की जांच होगी। जांच में निगेटिव पाए जाने पर ही उन्हें यात्रा की अनुमति दी जाएगी। अमरनाथ यात्रा छड़ी मुबारक के साथ चलती है, जिसमें यात्री एक बहुत बड़े जुलूस के रूप में अपनी यात्रा आरंभ करते हैं। इसमें अनगिनत साधु भी होते हैं, जो अपने हाथों में त्रिशूल और डमरू उठाए, अमरनाथ यात्रा छड़ी मुबारक के साथ चलती है, जिसमें यात्री एक बहुत बड़े जुलूस के रूप में अपनी यात्रा आरंभ करते हैं। इसमें अनगिनत साधु भी होते हैं,जो अपने हाथों में त्रिशूल और डमरू उठाए, बम-बम भोले जो अपने हाथों में त्रिशूल और डमरू उठाए, बम-बम भोले तथा जयकारा वीर बजरंगी-हर हर महादेव' के नारे लगाते हुए बड़ी श्रद्धा तथा भक्ति के साथ आगे-आगे चलते हैं।

एनडीआरएफ

एनडीआरएफ ने बाढ़ बचाव कार्य के लिए 90 टीम तैनात कीं, कोविड-19 के मद्देनजर उठाए एहतियाती कदम : अमित शाह

नई दिल्ली।

राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) ने देशभर में बाढ़ बचाव कार्यों के लिए 90 से अधिक टीमों को तैनात किया है जिनका कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण मुख्य ध्यान लोगों और सामान की संक्रमणमुक्ति पर केंद्रित होगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नॉर्थ ब्लॉक में अपने कार्यालय में शुक्रवार को देश में मानसून की बारिश और बाढ़ के संबंध में तैयारियों की समीक्षा की तथा अधिकारियों को जान-माल का नुकसान रोकने के लिए अच्छी तरह से योजना बनाने के निर्देश दिए। एनडीआरएफ के महानिदेशक एस एन प्रधान ने 'पीटीआई-भाषा से कहा, ''हमने बाढ़ से बचाव संबंधित कार्यों के लिए देशभर में 90 से अधिक टीम तैनात की हैं। बाढ़ बचाव कार्य के लिए एनडीआरएफ की एक टीम में करीब 45 कर्मी होते हैं और यह उपकरणों तथा नौकाओं से लैस होती हैं। महानिदेशक ने बताया कि कोरोना वायरस वैश्विक महामारी को देखते हुए बचाव कार्य और बचावकर्ताओं के लिए कुछ नयी रणनीतियां बनाई गई हैं। प्रधान ने बताया कि लोगों और सामान की संक्रमणमुक्ति तथा स्वच्छता पर पूरी तरह ध्यान केंद्रित करने और रोकथाम एवं सुरक्षात्मक सवाधानियां बरतने के साथ एनडीआरएफ की टीमों की तैनाती की जाएगी। उन्होंने बताया कि एनडीआरएफ ने राज्यों के मुख्य सचिवों तथा विशेष राहत आयुक्तों को पत्र लिखकर शारीरिक दूरी, संक्रमणमुक्ति और स्वच्छता से संबंधित कोविड-19 दिशा-निर्देशों के मद्देनजर बचाव दलों और कर्मियों के लिए पर्याप्त स्थान की मांग की है। इस संबंध में एक अन्य अधिकारी ने बताया कि एनडीआरएफ की टीमों के पास तापमान मापने के उपकरण, मास्क, सैनिटाइजर और आधारभूत चिकित्सा किट भी होगी। पिछले महीने पश्चिम बंगाल में चक्रवात 'अम्फान के दौरान काम करने वाले एनडीआरएफ के करीब 60 कर्मी बचाव कार्यों के दौरान कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए थे। अधिकारी ने बताया कि हालांकि उनमें से लगभग सभी अब स्वस्थ हो चुके हैं। महानिदेशक ने कहा, ''हम एकीकृत आपदा नियंत्रण कक्ष बनाएंगे और सभी टीमों तथा उनके काम की चौबीसों घंटे निगरानी की जाएगी जैसी कि दिल्ली में एनडीआरएफ के मुख्यालय से की जाती है।

कोरोना के कारण कोलकाता से 6 शहरों के लिए फ्लाइट्स बंद

नई दिल्ली। दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, पुणे, नागपुर और अहमदाबाद से कोलकाता के लिए 6 जुलाई से 19 जुलाई के बीच कोई भी यात्री उड़ानें संचालित नहीं होंगी। कोलकाता हवाई अड्डे ने शनिवार को इसकी घोषणा की। यह निर्णय देश में कोरोना वायरस के मामले लगातार बढ़ने के मद्देनजर लिया गया है। पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव राजीव सिन्हा ने 30 जून को नागरिक उड्डयन मंत्रालय से अनुरोध किया था कि कोविड-19 मामलों में अधिक वृद्धि को देखते हुए राज्य के लिए दिल्ली, मुंबई, पुणे, नागपुर, चेन्नई, इंदौर, अहमदाबाद और सूरत जैसे शहरों से 6 जुलाई से 19 जुलाई के बीच किसी भी उड़ान का संचालन न किया जाए। गौरतलब है कि भारत ने कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए लगे लॉकडाउन के कारण दो महीने के अंतराल के बाद 25 मई से घरेलू यात्री उड़ानों को फिर से शुरू किया। भारत में अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ानें अभी भी निलंबित हैं। कोलकाता हवाईअड्डा ने शनिवार को ट्विटर पर कहा, ''यह सूचित किया जाता है कि दिल्ली, मुंबई, पुणे, नागपुर, चेन्नई और अहमदाबाद से कोलकाता के लिए 6 से 19 जुलाई 2020 तक या अगले आदेश तक कोई भी उड़ान संचालित नहीं होगी। असुविधा के लिए खेद है। हवाईअड्डा ने एक अन्य ट्वीट में कहा, ''कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए कोरोना वायरस के अधिक मामलों वाले शहरों से लोगों के आने पर लगाम लगाने के राज्य सरकार के अनुरोध पर यह अस्थायी प्रतिबंध लगाया गया है। 30 जून को नागरिक उड्डयन मंत्रालय को लिखे एक पत्र में सिन्हा ने कहा था, ''जैसा कि आप जानते हैं कि कोरोना वायरस देश भर में तेजी से फैल रहा है। कुछ राज्यों में महामारी का व्यापक प्रसार हो रहा है।

सेवा ही संगठन कार्यक्रम में बोले प्रधानमंत्री मोदी, आपने आफत को अवसर में बदल दिया

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारतीय जनता पार्टी के मुख्यालय में 'सेवा ही संगठन' कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे हैं। पीएम मोदी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस सेवा के मिशन में काम करते करते खतरा है पता था, फिर भी कार्यकर्ता इस महामारी के बीच काम करते रहे हैं। इस दौरान कई कार्यकर्ताओं का दुखद निधन हो गया। उनके परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। उन्होंने कहा कि सेवा भावना के लिए हम लोग राजनीति में आए। हमने सत्ता को अपने लाभ का माध्यम नहीं बनाया। निस्वार्थ सेवा ही हमारा संकल्प रहा है। हमारे संस्कार रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक आफत आई, आपने उसे अवसर में में बदल दिया है। ज्यादा से ज्यादा लोगों की सेवा कर सकें। जिस पार्टी के सैकडों सांसद हों, हजारों एमएलए हों। फिर भी उस पार्टी का कार्यकर्ता सेवा को प्राथमिकता दे। सेवा को ही अपना गंतव्य और मंतव्य माने। जीवन मंत्र मानें। भारतीय जनता पार्टी के रूप में एक कार्यकर्ता के रूप में मुझे बहुत गर्व होता है। आनंद होता है। उन्होंने कहा कि यह प्रेरणा हमें जनसंघ के जमाने से अब तक चार-पांच पीढ़ियों की तपस्या से हमें यह मिला है। हमारा ये काम, हमारा यह व्यवहार आगे की पीढ़ियों के लिए भी

प्रेरणा का कारण बनेगा। हमारा संगठन कार्यकर्ता से अध्यक्ष पद तक ये जो हमारी श्रखंला है। संगठन में जो संवेदनशीलता है। हमारे संगठन की ताकत है। हमारे संगठन का मतलब है कि सबका संग, सबका साथ, सबको साथ लेकर चलना है। सबका सुख, सबकी समृद्धि है। पीएम मोदी ने कार्यकर्ताओं से कहा कि हमारे संगठन का मतलब है कि सबका संग, सबका साथ, सबको साथ लेकर चलना है। सबका सुख, सबकी समृद्धि है। पीएम मोदी ने कार्यकर्ताओं से कहा कि हमारे संगठन का मतलब है कि सबका संग, सबका साथ, सबको साथ लेकर चलना है। सबका सुख, सबकी समृद्धि है। हमारा संगठन समाज हित के लिए काम करने वाला है। समाज और देश के लिए खप जाने वाला है। हमारे लिए राष्ट्र प्रथम नेशन फर्स्ट रहा है। राष्ट्रहित के इस भाव को स्थापित करने में कई पीढ़ियां खप गई हैं। दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी अनेक महापुरूष सभी वरिष्ठ नेता अनगिनत इनके संस्कारों ने हमें प्रेरित किया है। भारतीय जनता पार्टी ने वंचित, शोषित, पीड़ित को सशक्त करने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि हम गर्व से कह सकते हैं कि आज देश में जो सांसद हैं, 52 भाजपा के दलित सांसद हैं। 43 सांसद आदिवासी समाज से हैं। 113 से ज्यादा सांसद पिछड़ा वर्ग से आते हैं।

दिल्ली दंगों में सामने आया जाकिर नाइक कनेक्शन, विदेश फंडिंग के मिले सुराग

नई दिल्ली। दिल्ली दंगों की जांच कर रही स्पेशल टीम ने दंगों को लेकर बड़ा खुलासा किया है। जांच में सामने आया है कि दिल्ली दंगों के एक आरोपी ने मलेशिया में जाकर जाकिर नाईक से भी मुलाकात की थी। बता दें कि जाकिर नाइक को आतंकी साजिश रचने के लिए भारतीय एजेंसियों तलाश कर रही हैं। स्पेशल सेल ने अदालत ने स्टेटस रिपोर्ट दाखिल की है, जिसमें दिल्ली दंगों से जाकिर नाईक के कनेक्शन और विदेशी फंडिंग की बात सामने आई है। दरअसल, बीती फरवरी के महीने में नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली में हुए दंगों की जहां क्राइम ब्रांच जांच कर रही थी, वहीं स्पेशल सेल ने भी एक अलग दंगों की साजिश को लेकर दर्ज की थी। उसी जांच में यह खुलासा हुआ है। जानकारी के अनुसार स्पेशल सेल ने दंगों के एक मास्टरमाइंड खालिद सैफी को बीती महीने गिरफ्तार किया था और उसका पासपोर्ट भी बरामद किया था। तफ्तीश में उसी पासपोर्ट की डिटेल्स से पता चला कि खालिद ने भारत से फरार ज़ाकिर नाईक से मुलाक़ात की थी। ये वही खालिद सैफी है जिसने दंगों के पहले शाहीनबाग में ताहिर हसैन और जेएनयू के पूर्व छात्र उमर ख़ालिद के साथ शाहीनबाग मे मीटिंग की थी जिसमें दंगों का प्लान बना था। दंगो में पैसे के सॉर्स और फंडिग को लेकर भी तफ्तीश की गई थी। स्पेशल सेल के मुताबिक विरोधी प्रदर्शन में भडकाऊ भाषण देने वाली और दंगों के आरोप में गिरफ्तार इशरत जहां को भी फंड मिला था। ये फंड गाजियाबाद और महाराष्ट्र के उसके कुछ रिश्तेदारों से मिला था। जिन्होंने ने फंड दिया उनसे पूछताछ की जानी थी लेकिन कोरोना की वजह से अभी पूछताछ नहीं हुई है। आरोपी खालिद सैफी को दंगों के लिए सिंगापुर के ने पैसे भेजे थे जो खालिद के हूबहू में ट्रांसफर हुआ था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

सामयिक यात्रा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लद्दाख यात्रा न केवल तात्कालिक, बल्कि एक ऐसे दीर्घकालिक संदेश की तरह है, जिसकी गूंज दुनिया में कुछ समय तक बनी रहेगी। विशेषज्ञ भी यह मान रहे हैं कि जो वह दिल्ली में बैठकर नहीं कर पा रहे थे, उसे उन्होंने लेह-लद्दाख पहुंचकर कर दिखाया। उन्होंने मोर्चे पर सैनिकों के बीच जाकर जो सबसे महत्वपूर्ण बात कही है, उसकी प्रासंगिकता अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में सबसे ज्यादा है। भले उन्होंने चीन का नाम न लिया, पर दो टूक कहा कि विस्तारवाद का दौर समाप्त हो चुका है, यह विकास का दौर है। वाकई उनका यह कहना चीन की नीतियों और दुस्साहस पर एक प्रतिकूल टिप्पणी है। सीमा पर पहुंचकर श्रीकृष्ण को याद करने का भी अपना महत्व है। एक ओर, बांसुरी है, तो दूसरी ओर, सुदर्शन चक्र। भारतीय राजनय जहां एक ओर, बंधुत्व और सद्भाव में विश्वास करता आया है, वहीं भारत की बहुमूल्य जमीन पर कुछ साम्राज्यवादी शक्तियों की गिद्ध दृष्टि कभी-कभी उसे अशांत करती रही है। आज भारत को सीमा पर फिर ललकारा गया है, वीर भारतीय जवानों का खून बहा है, भावनाएं ज्वार पर हैं, लेकिन तब भी भारत अपनी सद्भावी नीतियों को भूला नहीं है। भारत के संयम और भावनाओं के पक्ष में दुनिया की शक्तियां खुलकर सामने आने लगी हैं। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जापान इत्यादि अनेक सशक्त देश हैं, जो भारत के साथ खड़े हैं और चीन की निंदा का ग्राफ धीरे-धीरे बढ़ रहा है। चीनी एप पर लगाए गए प्रतिबंध इत्यादि को अगर हम सांकेतिक भी मानें, तब भी दुनिया के कोने-कोने तक भारत की नाराजगी पहुंची है। उम्मीद करनी चाहिए और बहुत हद तक संभव है कि भारतीय प्रधानमंत्री के लद्दाख पहुंचने से पड़ोसी देश भारत की नाराजगी को साफ तौर पर समझ सकेगा। बेशक, तनाव के दिनों में किसी प्रधानमंत्री का मोर्चे पर जाना और सेना के आला अधिकारियों के लगातार दौरे यह साबित करते हैं कि हम अपनी जमीन और जवानों के मनोबल के साथ हैं। कोई आश्चर्य नहीं, प्रधानमंत्री का यह दौरा चीन को अच्छा नहीं लगा है और उसने चल रही बातचीत का हवाला दिया है। क्या जब सैन्य स्तर पर बातचीत चल रही थी, तब भारतीय प्रधानमंत्री को वहां नहीं जाना चाहिए था? इस सवाल के जवाब के लिए हमें बातचीत की गुणवत्ता पर एक बार जरूर नजर डाल लेनी चाहिए। लगभग पांच दौर की बातचीत सीमा पर हो चुकी है। वार्ताएं 12-12 घंटे तक चली हैं, पर नतीजा सिफर रहा है। वार्ता इसलिए नहीं होती कि कोई देश अपनी सीधी बात को बार-बार दोहराता रहे और सामने बैठा देश किसी भी जायज बात पर कान न दे। शायद चीन चाहता है कि भारत कुछ समय बाद शांत पड़ जाए और गलवान घाटी की भारतीय जमीन पर उसके शिविर स्थाई मान लिए जाएं। यह चीन का पुराना तरीका बताया जाता है, लेकिन ऐसा पहली बार हुआ है कि यह तरीका चीन को उल्टा पड़ रहा है। उसकी हठधर्मिता से उसके प्रति न सिर्फ भारत, बल्कि अन्य देशों में भी नाराजगी बढ़ रही है। प्रधानमंत्री के दौरे का यह संदेश भी है कि बेनतीजा वार्ताओं से परे भी भारत सोच रहा है। भारत की सोच के प्रति चीन को समझदार बनना पड़ेगा। वह समझदारी दिखाने में जितनी देरी करेगा, दुश्मनी की गांठ को अपने ही हाथों और बड़ी करता चला जाएगा। ध्यान रहे, इस बार उसकी विस्तारवादी तानाशाही पूरी दुनिया को चुभ रही है।

आज के ट्वीट

56 इंच

चीन की एक धमकी से डर कर मनमोहन सिंह कभी अरुणाचल प्रदेश नहीं गए और आज उसी चीन को धमकाने मोदी जी लेह लद्दाख पहुँच गए... 56 इंच

-- -- अर्णव गोस्वामी

वास्तविक गुरु तो परमात्मा है

लेखक - डॉ श्रीगोपाल नारसन एडवोकेट)/ (गुरु पूर्णिमा पर विशेष)

लौकिकता में मानव शरीर धारण किए हुए किसी सदपुरुष को गुरु रूप में मानने की परंपरा है।भक्ति मार्ग में भी किसी सिद्ध पुरूष ऋषि,संत, महात्मा, ज्ञानी को गुरु बनाने का चलन है।जबकि ज्ञान मार्ग या फिर रूहानियत की दृष्टि से देखे तो एक मात्र परमात्मा ही हमारा गुरु है,वही परमपिता है और वही शिक्षक है। शास्त्रों में गुरू शब्द के शाब्दिक अर्थ भारी को अपनी तपस्या से जो सिद्ध कर कर देते है,वही अपनी रूहानियत व चेहरे पर तेज की दृष्टि से आध्यात्मिक क्षेत्र में सिद्ध पुरूष रूप में प्रतिष्ठित होते है। कहा भी गया है कि जो ज्ञान से भारी है,वही गुरू है और गुरु ज्ञान स्वयं में एक ऐसा अथाह सागर है जिसकी थाह ले पाना भी आसान नही है। गुरू शब्द जिसके सामने लग जाता है उसे अन्यो से श्रेष्ठतम और विशिष्टतम बना देता है। यथा गुरूत्वाकर्षण ,गुरूज्ञान आदि।चूंकि गुरु भी श्रेष्ठतम महापुरूष होते है।इसी कारण गुरु के नाम से गुरु धाम भी प्रतिष्ठा सम्पन्न हो जाता है। गुरू को पौराणिक साहित्य में इतनी महत्ता दी गई कि उसे ही विष्णु,उसे ही ब्रहमा और उसे ही महेश्वर कहा गया है। गुरु देवता तूल्य होता है। गुरु की इस तुलना का अर्थ मात्र गुरू का महिमा मण्डन करना नही है। कई मायनो में गुरु भी ब्रहमा, विष्णु व महेश के समतूल्य होते है क्योकि गुरु ही वह शक्ति है जो अपने शिष्यो और अनुयायियों को ब्रहमा, विष्णु और महेश से मिलाने के लिए ,उन्हे आत्मसात करने का मार्ग बताते रहे। तभी तो प्रभु शरणम से पहले गुरू शरणम का प्रचलन है । अपने जमाने के युगप्रर्वक संत कबीर दास ने गुरू के सच्चे रूप और कार्य का वर्णन अपने एक दोहे में किया है। गुरू गोविन्द दोउ खडे काके लागू पाये,बलिहारी गुरू आपनो गोविन्द दियो बताए। यानि गुरू और गोविन्द दोनो खडे हो और पहले पैर किसके छूयें को लेकर संशय हो तो पहले गुरू के पैर छूने चाहिए क्योकि गुरू ही वह माध्यम है जो गोविन्द से मिलने का मार्ग बताता है। कई बार गुरू और अध्यापक को एक दूसरे का पर्याय मान लिया जाता है। परन्तु यह ठीक नही है। गुरू और अध्यापक एक नही हो सकते। अध्यापक अधिकाशत भौतिक विधाएं सिखाता है। लेकिन गुरू मनुष्य रूपी शिष्य को पूर्ण रूपेण आध्यात्मिक विकास व समग्र कल्याण के लिए तैयार करता है। उसी प्रकार गुरु अपने भक्तों को परमात्मामय बनने का रास्ता दिखाकर अपने भक्तों पर उपकार करते रहे है। गुरु की प्ररेणा से ही देश दुनिया को परमात्मा का सद सन्देश मिलता है और इस पुनीत कार्य मे गुरु ही सफल सिद्ध हो रहे है। गुरु की सोच है कि ,मनुष्य जीवन का उददेश्य है जीवन मरण के चक्र से निकलना और अपने कर्मो को भोगकर मोक्ष प्राप्त करना होता है। मोक्ष प्राप्ति की इस प्रक्रिया में गुरू की भूमिका बहुत बडी है। गुरू अच्छे बुरे का ज्ञान कराता है। साथ ही अनेक भौतिक विधाओं का ज्ञान देता है। गुरू ही वह व्यक्ति है जो सत्य और असत्य के बीच का अन्तर समझाकर अपने शिष्य को सत्य के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता है। जब तक मनुष्य अपने सभी कर्तव्यों को पूर्ण कर प्रभु प्राप्ति के पथपर अग्रसर नही होता, तब तक गुरू उसे निरंतर निर्देश देकर उसे अपने उददेश्य की सतत याद दिलाता रहता है ।ताकि शिष्य गुरू की इच्छा के अनुरूप जीवन के सन्मार्ग पर चलकर गुरू को अमरत्व प्रदान कर सके। इसी तरह वैदिक दर्शन में गुरू को एक चेतन देवता माना गया है। माता, पिता,पति, पत्नि,आचार्य इन सभी को चेतन देवता कहा गया है। मनुष्य के उपर इन पांचो देवताओं तथा जल, वायु ,अग्नि, वनस्पति आदि जड देवताओं का कर्ज होना माना गया है। आचार्य कर्ज मुक्ति के लिए उनके द्वारा दिये गए ज्ञान को जीवन में उतारना और दूसरो में बांटना जरूरी है। मनुष्य के लिए आवश्यक है कि सभी जड और चेतन देवताओं के साथ साथ आचार्य कर्ज भी इसी जीवन में उतारे।जिसके लिए गुरू पूर्णिमा जैसे अवसरों पर गुरू दक्षिणा देकर गुरू पथगामी बना जा सकता है। इससे गुरू के प्रति श्रद्धा तो बढती ही है गुरू का आर्शीवाद भी अपने शिष्यों पर बना रहता है। गुरू का भारतीय समाज में एक विशिष्ट स्थान है। गुरू ही बालक में संस्कार भरकर उसे एक ऐसा मनुष्य बनाता है जो संस्कारो, विधाओं और विचारो से परिपूर्ण हो। इस समाज को ऐसे ही गुरू की आवश्यकता है जो विधाविभूषितकर कल्याण के मार्ग का पथिक बना सके। ऐसे ही गुरू समाज को अपनी दिव्य ज्ञान ज्योति से प्रकाशमान करते है। गुरु को भगवान से भी ऊंचा दर्जा प्राप्त हैं क्योंकि गुरु ही हमें अज्ञानता के अंधेरे से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता है। कोरोनावायरस के कारण लोगों को इस बार अपने घरों में रहकर ही गुरु पूर्णिमा मनानी पड़ रही है। इस दिन आदिगुरु महाभारत के रचयिता और चार वेदों के व्याख्याता महर्षि कृष्ण द्वैपायन व्यास अर्थात महर्षि वेद व्यास का जन्म हुआ था। महर्षि व्यास संस्कृत के महान विद्वान थे। महाभारत महाकाव्य उनके द्वारा ही लिखा गया । सभी 18 पुराणों के रचयिता भी महर्षि वेदव्यास ही है। गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है। भारत में सभी ऋतुओं का अपना ही महत्व है. गुरु पूर्णिमा वर्षा ऋतु में ही क्यों मनाया जाता है। इसका भी एक कारण है7 क्योकि इन चार माह में न अधिक गर्मी और न अधिक सर्दी होती है. यह समय अध्ययन और अध्यापन के लिए अनुकूल व सर्वश्रेष्ठ है. इसलिए गुरुचरण में उपस्थित शिष्य ज्ञान, शांति, भक्ति और योग शक्ति को प्राप्त करने हेतु इस समय का चयन करते हैं. जीवन में जिस तरह नदी को पार करने के लिए नाविक की आवश्यकता होती है, वाहन में यात्रा करते समय चालक की, उपचार कराते समय चिकित्सक की आवश्यकता होती है। ठीक इसी प्रकार जीवन को सफल बनाने के लिए एक गुरु की आवश्यकता होती है ।गुरु के मिल जाने पर गुरु पर आजीवन विश्वास करना होता है। ऐसा इसीलिए क्योंकि गुरु की अग्नि भी शिष्य को जलाती नहीं है अपितु उसे सही राह दिखाने का काम करती है। यदि आप गुरु पूर्णिमा पर किसी को अपना गुरु बनाने की सोच रहे हैं तो सबसे पहले खूब सोच-विचार कर लें क्योंकि जीवन में गुरु सिर्फ एक बार बनाया जाता है, बार-बार नहीं । गुरु बनाने से पहले कबीरदास के इस दोहे पर जरूर गौर कर ले, 'गुरु कीजिए जानि के, पानी पीजै छानि । बिना विचारे गुरु करे, परे चौरासी खानि॥' अर्थात जिस तरह पानी को छान कर पीना चाहिए, उसी तरह किसी भी व्यक्ति की कथनी-करनी जान कर ही उसे अपना सद्गुरु बनाना चाहिए। सद्गुरु ऐसा होना चाहिए जिसमें किसी भी प्रकार का लोभ न हो , मोह-माया न हो, भ्रम-संदेह से परे रहकर ही गुरु की शरणागत होना चाहिए। तभी कल्याण संभव है।

ज्ञान गंगा

प्रणिधान

श्रीराम शर्मा आचार्य

प्रणिधान का अर्थ है-धारण करना, स्थापित करना। ईश्वर प्रणिधान अर्थात ईश्वर को धारण करना, ईश्वर को स्थापित करना। परमात्मा हमारे हृदयों में विराजमान है। गीता कहती है-ईश्वरः सर्वभूतानां हृद्देशेऽर्जुन तिष्ठति। अर्थात हे अर्जुन! ईश्वर सब प्राणियों के हृदय में बैठा हुआ है। सर्वव्यापक परमात्मा हर एक के रोम-रोम में रम रहा है। फिर भी मनुष्य उसे भूला हुआ है। कहने को तो लोग ईश्वर को जानते भी हैं और मानते भी हैं, पर व्यवहार में उसका एक प्रकार से बहिष्कार ही कर देते हैं। पुलिस सर्वव्यापक नहीं है, तो भी उससे जितना डरते हैं उतना ईश्वर से नहीं डरते। अमीरों में उतनी उदारता नहीं होती, तो भी अमीरों या अफसरों का जितना आदर करते हैं, उतना ईश्वर का नहीं करते। स्त्री का प्यार सच्चा और स्थायी नहीं होता, तो भी जितना प्यार अपनी स्त्री से करते हैं उतना ईश्वर से नहीं करते। बेटे के ब्याह में जितना खर्च कर देते हैं उससे चौथाई भी ईश्वर के निमित्त नहीं लगाते। यदि सच्चाई के साथ देखा जाए तो ईश्वर को एक बहुत ही गौण स्थान दिया जाता है। या तो धन, सम्पदा, बेटा, पोता, जीत, स्वास्थ्य, विद्या, बुद्धि, स्वर्ग, मुक्ति आदि प्राप्त करने के लिए ईश्वर को टटोलते हैं या कोई विपत्ति आ जाने पर छुटकारे के लिए उसे पुकारते हैं। अध्यात्म विद्या का जो लोग शोध कर रहे हैं, राजयोग की साधना के लिए यम-नियमों की जो साधना करना चाहते हैं, उन्हें ईश्वर प्रणिधान का तत्त्वज्ञान भली प्रकार समझना होगा और बुद्धिपूर्वक उस पर आरूढ़ होना होगा। योग के आठ अंगों में से द्वितीय अंग नियम का पांचवां नियम ईश्वर पूजा नहीं वरन ईश्वर प्रणिधान है। परमात्मा की हृदय में स्थापना करना, उसे हर घड़ी अपने साथ देखना, रोम-रोम में उसका व्यापकत्व अनुभव करना यह ईश्वर प्रणिधान का चिह्न है। मंदिर में मूर्ति की स्थापना की जाती है तो उसकी पूजा के लिए पुजारी नियत करना पड़ता है जो यथासमय सारी पूजापत्री किया करे। पुजारी अन्य कार्य भी करता है, पर प्रतिमा के भोग, स्नान, शयन, आरती आदि का ध्यान विशेष सावधानी के साथ रखता है। ईश्वर प्रणिधान में ईश्वर की प्रतिमा का हृदय में, अंतःकरण में स्थापित करनी होती है और उसे चौबीस घण्टे का साथी बनाना पड़ता है। पुजारी का प्रधान कार्य प्रतिमा की पूजा है।

आज का राशिफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

वृषभ पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान-पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।

सिंह रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

तुला आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृश्चिक पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

आदमी वही, जिसे सब चाहें दिल से

- डॉ. दीपक आचार्य

हर तत्व, प्राणी और वस्तु की मौलिकता ही उसकी अन्यतम विशिष्टता है। इसी के अनुरूप गुणधर्म निर्धारित हैं। मनुष्य होने का अर्थ मानवीय गुणों और सकारात्मक गतिविधियों के प्रति समर्पण, सेवा और परोपकार, जिओ और जीने दो में विश्वास तथा लोक मंगल से लेकर विश्वोत्थान तक के समस्त रचनात्मक कार्यों में समर्पित भागीदारी है। यही असली इंसान की पहचान है। अन्यथा बहुत सारी अनचाही भीड़ सब जगह है जो इंसान कही तो जाती है लेकिन इंसानियत का कोई कतरा देखने को नहीं मिलता। जहाँ कहीं मनुष्य का अस्तित्व है वहाँ मानवीय मूल्यों का प्राकट्य और प्रसार स्वाभाविक है। यथार्थ में मनुष्य वही है जिसमें से मनुष्यता की गंध आए और मानवीय भावनाओं का जीवन्त दिग्दर्शन हो। जहाँ तक गंध का संबंध है, दुनिया में हर तत्व और मिश्रण से लेकर तमाम प्राणियों की अपनी कोई न कोई अन्यतम गंध होती ही है। लेकिन मनुष्य के मामले में ऐसा नहीं होता। मनुष्य की गंध उसके कर्म, स्वभाव, चरित्र और व्यवहार से आती है तथा इसी से उसकी मनुष्यता के प्रतिशत का निर्धारण होता है। जो इंसान मनुष्यता की कसौटी पर खरा उतरता है वही असली इंसान माना जा सकता है बाकी सारे के सारे या तो जानवरों की श्रेणी में गिने जा सकते हैं अथवा उन लोगों में जो राक्षसी परंपरा का प्रतिनिधित्व करते हैं। इनमें भी कुछ ऐसे हो सकते हैं जो हिंसक जानवरों और असुरों के कॉकटेल हों। जो इंसान जितना अधिक सहज, सरल, सौम्य और मानसिक-शारीरिक रूप से स्वस्थ होता है उसका आभामण्डल चमकीला, तेजस्वी तथा शुभ्र होता है और इसका घेरा भी बहुत बड़ा होता है। जो लोग इनके आस-पास आते हैं या रहा करते हैं, वे इनकी दिव्यता और तेजस्विता को अच्छी तरह महसूस करते हैं। ऐसे लोग जहाँ होते हैं वहाँ का पूरा का पूरा वातावरण उमंग, आनंद और उल्लास में बदल जाता है तथा अद्भुत मनःशांति व सुकून हर तरफ पसरा रहता है। इन सकारात्मक वैचारिक भावभूमि वाले रचनात्मक लोगों की मौजूदगी ही अपने आप में आत्मतोष भरे सुकून का महास्रोत हुआ करती है जिसकी वजह से इनके साथ आनंद और मुग्धकारी भावों का प्रभाव हर क्षण बना रहता है। पर आजकल ऐसे लोगों की संख्या दिनों दिन कम होती जा रही है। अब लोगों के भीतर से इंसानियत के भाव पलायन करते जा रहे हैं और वैयक्तिक स्वार्थों की सडान्ध इतनी अधिक हावी हो चुकी है कि इंसान केवल नाम मात्र का रह गया है, उसके भीतर से वह सब कुछ कहीं गायब हो गया है जो आदमी के रूप में पहचान बनाने के लिए सर्वोपरि आवश्यकता रहा है। आदमियत के निरन्तर ह्रास की स्थिति ने मानवी समुदाय के बाड़ों से संवेदनशीलता और सामाजिकता की सुगंध को हर लिया है। पहले जहाँ एक ही प्रकार के बाड़ों, गलियारों और क्षेत्रों में सामूहिक विकास, सामुदायिक उत्थान और सबका साथ लेकर आगे बढ़ने की भावनाओं ने स्वर्णिम इतिहास कायम किया था, आज इसकी बजाय अपने आपको ऊँचा और प्रतिष्ठित करने, समृद्धि पाने और खुद को संप्रभु बनाने का शगल हर तरफ विकृतियों, विषमताओं और दावानल का जनक बना हुआ है। अपने आपको इंसान कहने वाले लोग इंसान के ही दुश्मन होते जा रहे हैं, इंसान के काम आने की बजाय इंसान का काम तमाम करने लग गए हैं, अपने आस-पास वालों की छाती और कंधों पर चढ़कर अपने कद को बढ़ाने का भरपूर प्रयास कर रहे हैं। बहुत सारे भाड़े के टट्टू या कहार हैं जो पालकियों में बिठाकर इन छद्म इंसानों के कद को ऊँचा दिखा रहे हैं, इंसानी पुतलों को गधों, घोड़ों और हाथियों पर बिठा-बिठा कर आसमान की ऊँचाइयों के करीब ले जाने के सब्ज बाग दिखा रहे हैं। मुफतिया माल खाने और पीने वाले बहुत सारे अखाड़ची उस्ताद हैं जो कि अपने कंधों पर चढ़ा-चढ़ा कर इंसानियत के लिहाज से निहायत बौने और ठिगने साबित हो चुके लोगों को जमीन से दूर कर हवाओं में उछाल रहे हैं। हालात इतने भयावह हो चले हैं कि आदमियों की बस्ती में आदमी नहीं मिलते, इनकी जगह बिजूके दिखते हैं या फिर औरों के इशारों पर नाच-गान करने वाले और अपने आपको हर तरह से समर्पित कर नंगा नाच करने और कराने वाले कठपुतले। इंसानी गंध हीन लोगों की वजह से अब बहुत सारे बाड़े नकारात्मकता, ईर्ष्या-द्वेष, गलाकाट स्पर्धाओं और एक दूसरे को नीचा दिखाकर अपने वजूद को स्थापित करने के धाम बने हुए हैं। जहां पिछले दरवाजों को खोल कर पूरी दुनिया को अंधेरे में रख कर सब कुछ हासिल करने के तमाम गुर सिखाने और आजमाने वाले गुरु घण्टाल भी हैं और चेले-चेलियों की भरमार भी। कुछ लोग हर जगह हैं जिनका सामाजिकता से कोई रिश्ता रहा ही नहीं। ये विघ्नसंतोषी लोग उन लोगों को भरमाने के सारे हथकण्डों में माहिर हैं जिन लोगों के लिए उच्चांकाक्षाओं की पूर्ति ही जीवन का सबसे बड़ा और अंतिम सच है। चाहे इसके लिए जो कुछ करना-करवाना पड़े। इंसान का जीवन मानवता की भलाई, अपने क्षेत्र और कुटुम्ब के लिए समर्पण, सभी के विकास की कामना से कर्मयोग और राष्ट्रोत्थान में जुटना है न कि स्वार्थों और मामूली कामों के लिए बेवजह संघर्ष करते हुए प्रदूषण फैलाना। आजकल स्वच्छता अभियान का जमाना है। जाने कितने पुराने और सडांध भरे कचरा पात्रों के मुँह खुल गए हैं। जगह-जगह ऐसे कूड़ादानों का वजूद सामने आ रहा है। ऐसा ही कुछ उन लोगों के साथ हो रहा है जो इंसान के भेस में विचरण कर रहे हैं। षड़यंत्रों और गोरखधंधों से अपने वजूद को साबित करने, अपनी पहचान बनाने और अपने अहंकारों को परिपुष्ट करने वाले बहुत सारे लोग सम सामयिक दुर्भाग्य से हमारे इर्द-गिर्द भी हैं जिनका आभामण्डल नकारात्मक और अंधकार से भरा-पूरा है। ये लोग जहाँ कहीं होंगे वहाँ रोजाना कोई न कोई नकारात्मकता और अपशकुन होते ही रहते हैं क्योंकि इनकी मौजूदगी ही अंधकार और मनहूसियत लाती है। जो लोग अपशकुनी हैं उनसे यथोचित दूरी बनाए रखें, ताकि अपना कर्मयोग निरापद रह सके। अपने आपको ऐसा बनाएं कि जहाँ जाएं, रहें या आए-जाएं, वहां के लोगों को हमसे सुकून प्राप्त हो, और बार-बार वे लोग श्रद्धा, आदर एवं सम्मान दें।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एचडीएफसी बैंक दे रहा 10 सैकेंड में वाहन लोन, 1000 शहरों के लोग उठा सकेंगे फायदा

बिजनेस डेस्क। एचडीएफसी बैंक ने अपनी डिजिटल व्हीकल लोन स्कीम का विस्तार 1,000 शहरों तक करने का ऐलान किया है। इस योजना के तहत वाहन लोन सिर्फ 10 सैकेंड में दिया जाता है। हालिया हुए कई अध्ययनों और सर्वे में यह बात सामने आई है कि संक्रमण के काल में लोग पब्लिक ट्रांसपोर्ट की बजाए निजी वाहनों में सफर करना पसंद करेंगे। इसके मद्देनजर बैंक की यह घोषणा काफी मायने रखती। खासकर इसलिए भी क्योंकि ऑटो सेक्टर के आंकड़ों से यह पता चला है कि संक्रमण से कम प्रभावित गैर-महानगरीय इलाकों में वाहनों की बिक्री बढ़ी है। एचडीएफसी बैंक ने बृहस्पतिवार को अपने लोन स्कीम के विस्तार का ऐलान किया। महामारी के दौरान प्लांट में उत्पादन बंद होने और इसके साथ ही साथ डीलरशिप, शोरूम बंद रहने से ऑटोमोबाइल सेक्टर बहुत तरह से प्रभावित हुई है। सोशल डिस्टेंसिंग जैसे कारणों को ध्यान में रखते हुए लोग सार्वजनिक परिवहन की तुलना में निजी वाहन के इस्तेमाल को ज्यादा प्राथमिकता देंगे। इससे जाहिर तौर पर वाहनों की मांग में तेजी आएगी। एचडीएफसी बैंक का यह लोन प्रॉडक्ट जिपड्राइव इंस्टेंट व्हीकल लोन (त्वरित वाहन ऋण) ग्राहकों को देशभर के 1,000 शहरों में उपलब्ध होगा। इन शहरों में आंध्र प्रदेश के भीमावरम, उत्तर प्रदेश के हरदोई, केरल के थालासेरी और ओड़िशा के बालासोर जैसे शहर शामिल हैं। एचडीएफसी बैंक का दावा है यह सबसे तेजी से मंजूर होने वाला ऑनलाइन व्हीकल लोन है। बैंक ग्राहकों को यह लोन प्री-एप्रूव्ड (पहले से मान्य) पेशकश के जरिए उपलब्ध कराएगा। बैंक के खुदरा लोन कारोबार के प्रमुख अरविंद कपिल ने कहा, लॉकडाउन के बाद डिजिटल प्लेटफॉर्म की भूमिका और अहम हो जाएगी। उन्होंने कहा कि यह लोन उत्पाद सुविधाजनक है क्योंकि यह संपर्क रहित लोन सुविधा है। उन्होंने कहा कि बैंक अब मात्र एक बटन के क्लिक से दूसरे और तीसरे दर्जे के शहर वाले ग्राहकों से जुड़ सकता है। बैंक ने कहा कि प्री-एप्रूव्ड लोन की पेशकश ग्राहकों को एक विश्लेषण और कूट भाषा कोड (एल्गोरिद्म) के जरिए की जाती है।

कोरोना इफैक्ट: Uber ने मुंबई का ऑफिस बंद करने का फैसला किया, कैब सेवा रहेगी जारी

नई दिल्ली। कोरोना से लॉकडाउन के कारण उबर ने अपनी मुंबई ऑफिस को बंद करने का फैसला किया है। हालांकि उसकी कैब सेवाएं जारी रहेंगी। कर्मचारियों को कंपनी ने घर से काम करने का निर्देश दिया है। ऐप आधारित कैब सेवा प्रदाता अमेरिकी कंपनी उबर पहले ही देश में कर्मचारियों की छंटनी कर दी थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, मुंबई स्थित कार्यालय में काम करने वाले कर्मचारियों को दिसंबर तक घर से ही काम करने को कहा गया है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि कर्मचारियों को अगले साल मुंबई में किसी अन्य कार्यालय में भेजा जाएगा या नहीं। कंपनी मुंबई में अपनी राइड्स सेवा को जारी रखेगी। बता दें कि बीते दिनों फूड डिलीवरी, हॉस्पिटैलिटी सेक्टर की कंपनियां और मिड स्टेज की स्टार्टअप कंपनियों ने अपने कई ऑफिस या तो बंद कर दिए या फिर उन्हें किराए पर दे दिया। कंपनियों के अधिकारियों और रियल एस्टेट डेवलपर्स के मुताबिक कंपनियां अपने किराए में औसतन एक तिहाई की कमी करना चाह रही हैं। उबर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने हाल ही में कॉन्फ्रेंस कॉल में कहा था कि कोविड -19 से कारोबार प्रभावित होने के कारण कंपनी ने एक अरब डॉलर के खर्च में कटौती की योजना बनाई है। उबर के वैश्विक स्तर पर कुल 6,700 कर्मचारी हैं। इसमें से भारत में उसने 600 कर्मचारियों को निकाल दिया है। वैश्विक स्तर पर कंपनी ने 3700 कर्मचारियों की छंटनी की है। बीते महीने उबर ने इन कर्मचारियों को जूम के जरिए वीडियो कॉल कर कहा था कि कोविड-19 महामारी एक बहुत बड़ी चुनौती बन गई है।

वॉट्सऐप ने भारत ने अपना ब्रांड अभियान 'इट्स बिटवीन यू' किया शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)।

वॉट्सऐप ने भारत में अपना ब्रांड अभियान 'इट्स बिटवीन यू' शुरू किया है। कंपनी ने कहा है कि इस अभियान के जरिए वह बताएगी कि भारतीय एक-दूसरे के संपर्क में रहने के लिए किस तरह सुरक्षित तरीके से फेसबुक के स्वामित्व वाले मंच का इस्तेमाल करते हैं। इस अभियान के लिए वॉट्सऐप ने बॉलीवुड निदेशक गौरी शिंदे और विज्ञापन एजेंसी बीबीडीओ इंडिया की सेवाएं ली हैं। इसके तहत वॉट्सऐप दो विज्ञापन बनाएगी जिसमें दिखाया जाएगा कि कैसे उसके संदेश भेजने, वीडियो कॉल करने या वॉयस संदेश भेजने के फीचर्स लोगों को एक-दूसरे से जोड़ते हैं। भारत में वॉट्सऐप के प्रयोगकर्ताओं की संख्या 40 करोड़ से अधिक है और यह उसके सबसे बड़े बाजारों में से है। फेसबुक इंडिया के निदेशक (विपणन) अविनाश पंत ने कहा, इस अभियान के जरिए वे सच्ची कहानियां बताई जाएंगी कि कैसे भारतीय रोजाना अपने नजदीकी लोगों के साथ वॉट्सऐप के जरिए संपर्क में रहते हैं। पंत ने कहा, वॉट्सऐप उन लोगों के लिए जीवनरेखा की तरह है जो अपने दोस्तों-परिवार से काफी दूर हैं। यह उनके साथ संपर्क में रहने का एक बेहतरीन माध्यम है। उन्होंने बताया कि इनमें से एक विज्ञापन बुजुर्ग महिला और उसकी देखभाल करने वाले से संबंधित है।

दूसरा विज्ञापन दो बहनों के बारे में है। वॉट्सऐप ने ब्राजील में इसी साल इस तरह का अभियान चलाया था।

अमरीका में फंसे भारतीयों के लिए एयर इंडिया की टिकट 25-45प्रतिशत तक सस्ती

मुंबई/नई दिल्ली। लॉकडाऊन के कारण अमरीका में फंसे भारतीयों को लाने के लिए चलाई जा रही वंदे भारत उड़ानों के किराए में एयर इंडिया ने अमरीका व कनाडा आने-जाने के किराए में 25 से 45 प्रतिशत तक कमी की है। लोग एयर इंडिया के अधिक किराया वसूलने की लगातार शिकायत कर रहे थे। एयर इंडिया की मोबाइल एप्लीकेशन के अनुसार न्यूयार्क से दिल्ली के लिए इकोनॉमी क्लास का किराया अब 75,461 रुपए है जो कि जून में 1,07,000 रुपए था। इसी तरह टोरंटो-दिल्ली इकोनॉमी टिकट 75,321 रुपए की कर दी गई है जो कि पहले 1,37,000 रुपए थी। भारत ने सभी अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें 22 मार्च को तथा घरेलू उड़ानें 25 मार्च को बंद कर दी थीं। घरेलू उड़ानें तो 25 मई से शुरू हो गई हैं जबकि वंदे भारत की विशेष उड़ानों को छोड़कर अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें अभी बंद हैं। अमरीका में फंसे भारतीय अधिक किराया वसूली के लिए सोशल मीडिया पर एयर इंडिया पर बरस रहे हैं। इन भारतीयों को टिकट खत्म होने, वैबसाइट में गड़बड़ी, पेमैंट के बाद ट्रांजैक्शन फेल्योर जैसी समस्याओं से भी जूझना पड़ा। बहुत बार यह उस समय हुआ जब इकोनॉमी क्लास की टिकटें खत्म होने पर यात्रियों ने महंगी बिजनैस क्लास और फर्स्ट क्लास की टिकटें खरीदीं।

अप्रैल-जून में उर्वरकों की बिक्री 83प्रतिशत बढ़कर 111.61 लाख टन रही: सरकार

नई दिल्ली। कोरोनोवायरस के प्रसार को रोकने के लिए देश भर में 'लॉकडाउन लागू किए जाने के बावजूद भी अप्रैल से जून की तिमाही में उर्वरकों की बिक्री 83 प्रतिशत बढ़कर 111.61 लाख टन हो गई। सरकार ने शुक्रवार यह जानकारी दी। एक सरकारी बयान में कहा गया, ''अप्रैल-जून 2020 के दौरान, किसानों को उर्वरकों की बिक्री का पीओएस (बिक्री का बिंदु) 111.61 लाख टन था, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के 61.05 लाख टन की बिक्री की तुलना में 82.81 प्रतिशत अधिक है। यूरिया की बिक्री 67 प्रतिशत बढ़कर 64.82 लाख टन हो गई, जबकि समीक्षाधीन अवधि में डीएपी की मांग दो गुना बढ़कर 22.46 लाख टन रही। जटिल एवं सम्मिश्रित उर्वरकों की बिक्री दोगुनी से अधिक बढ़कर 24.32 लाख टन हो गई। बयान में कहा गया, ''राष्ट्रीय स्तर पर कोविड-19 लॉकडाउन के कारण आवाजाही पर प्रतिबंध के बावजूद, उर्वरक-मंत्रालय, रेलवे, राज्य सरकारों और बंदरगाहों के ठोस प्रयासों से देश में उर्वरकों के उत्पादन और आपूर्ति बाधा के चल रहा है । केंद्रीय रसायन और उर्वरक मंत्री डी वी सदानंद गौड़ा ने कहा है, ''हम खरीफ सत्र के दौरान किसानों को उर्वरकों के स्टॉक और उपलब्धता की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं। राज्य सरकारों को उर्वरकों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध कराया गया है।

अब कैश निकालने पर भी लगेगा टैक्स, आयकर विभाग ने शुरू किया टीडीएस कैल्कुलेट करने का टूल

बिजनेस डेस्क (एजेंसी)।

जुलाई का महीना शुरू होने के साथ ही कैश निकालने पर भी टीडीएस का नियम लागू होने लगा है। 1 जुलाई से इस नियम के तहत किसी भी वित्त वर्ष में 1 करोड़ रुपए से अधिक के कैश भुगतान पर 2 फीसदी का टीडीएस लगेगा, चाहे वह किसी बैंकिंग कंपनी या कोऑपरेटिव बैंक या पोस्ट ऑफिस से किसी शख्स को दिए गए हों। वित्त मंत्रालय ने नियम इसलिए बनाया है ताकि कैश निकालना कम हो सके। मंत्रालय चाहता है कि लोग अपनी ट्रांजेक्शन के लिए डिजिटल माध्यम का अधिक से अधिक प्रयोग करें। इस नियम को आसानी से लागू करने और लोगों को समझाने के मकसद से आयकर विभाग ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर एक नया टूल शुरू किया है। इस टूल से सेक्शन 194ह के तहत ग्राहक टीडीएस कैल्कुलेट कर सकते हैं। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की ओर से शुरू किया गया नया कैलकुलेटर बैंकों, को-ऑपरेटिव सोसाएटी और पोस्ट ऑफिसों के आधिकारिक इस्तेमाल के लिए है। टीडीएस रेट की एप्लिकेबिलिटी चेक करने के लिए यूजर को बैंक की तरफ से अपना पैन नंबर और मोबाइल नंबर डालना होगा। नाम से दिख रहा करने के लिए यूजर को बैंक की तरफ से अपना पैन नंबर और मोबाइल नंबर डालना होगा। टीडीएस रेट की एप्लिकेबिलिटी चेक करने के लिए यूजर को बैंक की तरफ से अपना पैन नंबर और मोबाइल नंबर डालना होगा। यह नियम टीडीएस को आयकर रिटर्न फाइल करने से भी लिंक करने के मकसद से लाया गया है। अगर आपने पिछले 3 साल से आयकर नहीं भरा है तो बैंक आपको 20 लाख से 1 करोड़ रुपए तक की राशि निकालने पर 2 फीसदी टीडीएस चार्ज करेगा। अगर राशि 1 करोड़ से अधिक होती है तो आप पर 5 फीसदी तक का टीडीएस लग सकता है। जिन्होंने पिछले 3 सालों में आयकर भरा है, उन पर 1 करोड़ रुपए तक के कैश निकालने पर कोई टीडीएस नहीं लगेगा।

बाजार नियामक सेबी ने निवेश सलाहकार नियमों में संशोधनों को किया अधिसूचित

नई दिल्ली। बाजार नियामक सेबी ने निवेश सलाकहार नियमों में संशोधन को अधिसूचित किया। यह तीन महीने बाद प्रभाव में आएगा और यह अन्य बातों के अलावा कंपनियों के परामर्श तथा उत्पाद वितरण गतिविधियों को अलग करेगा। नियामक ने सेबी (निवेश सलाहकार) नियमन, 2013 में संशोधन को अधिसूचित करते हुए कहा कि इस कदम का मकसद निवेश सलाहकारों के लिए नियामकीय रूपरेखा को सुदृढ़ करना है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कहा, संशोधन राजपत्र में प्रकाशित होने के 90वें दिन अमल में आएगा। इसमें किए गए संशोधन के तहत अब निवेश सलाहकारों को ग्राहकों के स्तर पर परामर्श और वितरण गतिविधियों को अलग करना होगा ताकि हितों का टकराव नहीं हो। नियामक के अनुसार इसके अलावा कंपनी स्तर पर निवेश परामर्श और वितरण सेवाएं देने वाली इकाइयां पूरी तरह से स्वतंत्र तरीके से काम करेंगी। संशोधन के तहत गैर-व्यक्तिगत यानी कंपनी स्तर पर निवेश परामर्शदाता के रूप में पंजीकरण के लिए नेटवर्थ आवश्यकता को बढ़ाकर 50 लाख रुपए और व्यक्तियों के मामले में 5 लाख रुपए कर दिया गया है। वर्तमान में यह व्यक्तियों के मामले में निवेश सलाहकार के रूप में पंजीकरण के लिए एक लाख रुपए का नेटवर्थ होना चाहिए ।

सोना आयात चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-मई के दौरान घटकर 7.914 करोड़ डॉलर रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

चालू खाता घाटा (सीएडी) पर असर डालने वाले, सोने का आयात वित्त वर्ष 2020-21 के पहले दो महीनों के दौरान उल्लेखनीय रूप से घटकर 7.914 करोड़ डॉलर का रह गया। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, इस गिरावट का कारण कोविड-19 महामारी के मद्देनजर मांग में भारी कमी का होना है। वर्ष 2019-20 की इसी अवधि में सोने का आयात 8.75 अरब डॉलर का हुआ था। सोने के आयात में गिरावट से देश के व्यापार घाटे? (आयात और निर्यात के बीच के अंतर) को कम करने में मदद मिली है। आयात और निर्यात के बीच का अंतर, उक्त अवधि के दौरान घटकर 9.91 अरब डॉलर रह गया जो साल भर पहले 30.7 अरब डॉलर का था। भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा कि व्यापार घाटे के कम होने की वजह से, भारत ने जनवरी-मार्च तिमाही में 0.6 अरब डॉलर अथवा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 0.1 प्रतिशत के बराबर चालू खाता अधिशेष बचा है जबकि वर्ष भर पहले समान अवधि में 4.6 अरब डॉलर अथवा जीडीपी का 0.7 प्रतिशत का घाटा दर्ज किया गया था। पिछले वर्ष दिसंबर से सोने के आयात में गिरावट आ रही है। मार्च, अप्रैल और मई में यह गिरावट क्रमशः 62.6 प्रतिशत, 99.93 प्रतिशत और 98.4 प्रतिशत रही। भारत सोने का सबसे बड़ा आयातक है, जो मुख्य रूप से आभूषण उद्योग की मांग को पूरा करता है। मात्रा के संदर्भ में, देश सालाना 800-900 टन सोने का आयात करता है। अप्रैल-मई 2020 में रत्न और आभूषण निर्यात 82.46 प्रतिशत घटकर 1.1 अरब डॉलर रहा। इसी तरह, 2020-21 के पहले दो महीनों के दौरान चांदी का आयात भी 30.7 प्रतिशत घटकर 43.789 करोड़ डॉलर रहा।

जून के निर्यात आंकड़ों में दिख सकती है आर्थिक क्षेत्र में सुधार की गति: गोयल

नई दिल्ली। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि देश में कोविड-19 महामारी के कारण अप्रैल और मई में निर्यात में अच्छी-खासी गिरावट दर्ज किए जाने के बाद अब इसमें सुधार आ रहा है और जून के आंकड़े में यह सुधार परिलक्षित हो सकता है। वीडियो कांफ्रेन्सिंग के जरिए निर्यात संवर्धन परिषदों को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि जून के आंकड़े में लाभ दिखेगा। सामानों का निर्यात पिछले साल की इसी माह की तुलना में 88 प्रतिशत के करीब पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि विदेशों में ज्यादातर बाजारों में इतनी तेजी से सुधार देखने को नहीं मिला है। आयात अभी भी पीछे है। गोयल ने कहा, ''कोविड-19 के कारण वित्त वर्ष के पहले दो महीनों में निर्यात को झटका लगा लेकिन अब अर्थव्यवस्था को खोलने और आर्थिक गतिविधियों के बढ़ने के साथ यह तेजी से रास्ते पर आ रहा है। व्यापार आंकड़ा 15 जुलाई को जारी किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि अर्थव्यवस्था को खोलने के दूसरे चरण में और छूट दी गई है, ऐसे में उम्मीद है कि चीजें आने वाले समय में और बेहतर होगी। मंत्री ने उद्योगों से आयात पर अत्यधिक निर्भरता और कुछ क्षेत्रों तक सीमित रहने को लेकर सेचत किया।

कोरोना काल में टमाटर ने किया लोगों को लाल, कई शहरों में पहुंचा 70 के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कोरोना काल में वैसे ही आम आदमी का जीना मुश्किल हो गया है, ऐसे में टमाटर के भाव आसमान में पहुंचने को उतारू हैं। महज कुछ दिन पहले ही 10-15 रुपए किलो बिकने वाला टमाटर अभी 70-90 रुपए किलो तक चला गया है। यही नहीं अन्य हरी सब्जियां और आलू ने भी उसी के पीछे-पीछे चलना शुरू कर दिया है। ऐसे में क्या खाएं लोगों को समझ में नहीं आ रहा है। 10-15 दिनों के भीतर ही टमाटर के रेट ऐसे आसमान पर पहुंचे हैं। गृहिणियों का कहना है कि चाहे वैज बनाएं या नॉन वैज सभी में टमाटर की जरूरत पड़ती है। कुछ महिलाओं का कहना है कि सब्जियों की महंगाई ने तो उनकी रसोई का बजट ही बिगाड़ दिया। उनका कहना है कि एक तो कोरोना के कारण वेतन में कटौती हो रही है और ऊपर से महंगाई की मार के कारण वे बहुत परेशान हैं एक आढ़ती का कहना है कि पहले टमाटर गुजरात से खूब आता था। बरसात शुरू होने से वहां से आवक कम हो गई है। ऐसे में शिमला से आने वाले टमाटर के भरोसे हैं। शिमला वाला टमाटर भी कम ही आ रहा है। साथ ही डीजल महंगा होने से भाड़ा भी बढ़ गया है इसलिए अच्छे टमाटर का थोक रेट ही 50 रुपए से ज्यादा हो गया है। ऐसे में खुदरा में तो कीमत और बढ़ेगी ही। सब्जी दुकानदारों का कहना है कि बरसात शुरू होने से हरी सब्जी की खेती पर नुक्सान पहुंचा है, इसलिए आवक कम हो गई है। टमाटर की देखा-देखी आलू ने भी तेवर दिखाना शुरू कर दिया है। अभी पिछले सप्ताह जो आलू 20 रुपए किलो मिल रहा था वह 30 रुपए किलो हो गया है। चिपसोना आलू 35 से 40 रुपए किलो तक बेचा जा रहा है। ठेले वाले का कहना है कि मंडी में ही आलू 1,300 रुपए बोरी पर बिक रहा है।

एक बोरी में 48 से 50 किलो आलू निकलता है। ऐसे में महंगा नहीं बेचें तो क्या करें। इस समय भिंडी का दाम 30 से 40 रुपए किलो, शिमला मिर्च 60 से 80 रुपए किलो, फ्रैंच बीन 60 से 80 रुपए, फूल गोभी 40 से 60 रुपए प्रति किलो के भाव मिल रही है। पिछले सप्ताह तक 10 रुपए किलो मिलने वाली तोरी भी अब 20 से 30 रुपए किलो हो गई है।

आसान नहीं है टिक-टॉक जैसे शार्ट वीडियो ऐप्स की राह

बेंगलूरू (एजेंसी)।

सरकार द्वारा चीनी वीडियो एप टिक-टॉक पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद से ही देश में टिक-टॉक की तर्ज पर बने बोलो इंडिया, मित्रों, चिंगारी और रोपोसो जैसे ऐप्लिकेशंस की डाऊनलोड तेजी से बढ़ी है लेकिन निवेशकों की मानें तो इन देसी ऐप्लिकेशन्स द्वारा टिक-टॉक को टक्कर देना अभी दूर की कौड़ी है क्योंकि ऐप्लिकेशन के डाऊनलोड बढऩा इस जंग का पहला कदम है और यूजर्स को अपने साथ बांध कर रखने, नया कंटैंट क्रिएट करने और यूजर्स को ऐप्लिकेशंस की आदत डालने वाला ही इस लड़ाई में विजेता बन कर उभर सकता है। इंडस्ट्री के अनुमानों के मुताबिक शार्ट वीडियो ऐप्लिकेशन के लिए 12 से 15 प्रतिशत का रिटैंशन अच्छा माना जाता है। लिहाजा यदि आपने कुछ मिलियन डाऊनलोड बढ़ा भी लिए हैं तो इस गला काट प्रतिस्पर्धा में यह ज्यादा मायने नहीं रखते। ऐप्लिकेशन्स को ज्यादा लोकप्रिय बनाने के लिए जिस तरह के निवेश की जरूरत होती है, वह निवेश इनमें से अधिकतर ऐप्लिकेशंस को नहीं मिल पाएगा क्योंकि इनके पास ऐसी क्षमता नहीं है कि यह मार्कीट से निवेशकों को आकर्षित कर सकें और ऐप्लिकेशंस का दायरा बढ़ा सके। शेयर चैट और रोपोसो में निवेश करने वाली कम्पनी कोटीएंट के पार्टनर आनंद लुनिया ने कहा कि जिन एप्लीकेशंस के डाऊनलोड बढ़ रहे हैं, इनमें से 90 प्रतिशत डाऊनलोड बेस एक महीने तक भी नहीं ठहर पाएगा। टिक-टॉक जैसा ऐप्लिकेशन बनाने के लिए न सिर्फ विश्व स्तरीय इंजीनियरिंग क्षमता की जरूरत है बल्कि लाखों डॉलर्स में बनने वाले रिकमैंडेशन इंजन के साथ मार्कीटिंग के लिए भी करोड़ों रुपए की जरूरत होगी। शेयर चैट और रहियो टी.वी. में निवेश करने वाली कम्पनी लाइट स्पीड इंडिया के पार्टनर देव खरे ने कहा कि इस जंग में आपको सिर्फ खेलने मात्र के लिए ही कम से कम 50 से 100 मिलियन डॉलर के निवेश की जरूरत है। हालांकि इसमें प्रवेश के लिए आप काम पैसे से भी चला सकते हैं लेकिन यहां निवेश के बिना टिके रहना बहुत मुश्किल है। आपको बाजार में हजारों शर्त वीडियो ऐप्लिकेशंस मिलेंगे लेकिन बाजार में अपना रुतबा कायम करने के लिए आपको तकनीकी सक्षमता के साथ-साथ अच्छे निवेशकों को भी साथ जोडऩा जरूरी है। बोलो इंडिया में निवेश करने वाले आह वैंचर्स के पार्टनर अमित कुमार ने कहा कि कुछ भारतीय ऐप्लिकेशंस सर्वर के अलावा सुरक्षा और बग्स जैसी दिक्कतों का भी सामना कर रही हैं।

वित्त वर्ष 2019-20 के लिए सरकार ने 30 नंवबर तक बढ़ाई आईटीआर फाइल करने की तारीख

बिजनेस डेस्क (एजेंसी)।

कोरोना वायरस महामारी की वजह से सरकार ने इनकम टैक्स रिटर्न फाइलिंग के लिए और अधिक मोहलत दी है। वित्त वर्ष 2019-20 के लिए आईटीआर फाइलिंग के लिए समयसीमा 30 नवंबर 2020 तक बढ़ा दी गई है। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने शनिवार को एक बयान जारी कर कहा, मौजूदा समय को समझते हुए और ध्यान में रखते हुए हमने एक बार फिर डेडलाइन्स को बढ़ा दी है। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने आईटीआर फाइलिंग की समयसीमा 30 नवंबर तक बढ़ा दी है। उम्मीद है कि इससे टैक्सपेयर्स को बेहतर प्लानिंग में मदद मिलेगी। कोरोना संकट के बीच करदाताओं को राहत देते हुए आयकर विभाग ने गुरुवार को वित्त वर्ष 2019-20 के लिए कर बचत निवेश/भुगतान की समय सीमा को बढ़ाकर 31 जुलाई कर दिया। वित्त वर्ष 2019-20 (असेसमेंट ईयर 2020-21) के लिए पर्सनल इनकम टैक्स रिटर्न और अन्य रिटर्न की डेडलाइन 31 जुलाई से बढ़ाकर 30 नवंबर 2020 कर दी गई है। बता दें कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मई में घोषणा की थी कि वित्त वर्ष 2019-20 के लिए सभी आयकर रिटर्न की तारीख 31 जुलाई, 2020 से 31 अक्टूबर, 2020 तक बढ़ाकर 30 नवंबर, 2020 कर दी जाएगी। निर्मला सीतारमण ने यह भी बताया कि मार्च 2021 तक टीडीएस-टीसीएस की दरों में 25 प्रतिशत की कटौती की करने का फैसला लिया गया है। इससे पहले केंद्र सरकार ने इसके साथ ही आधार कार्ड को पैन के साथ जोड़ने की समयसीमा को 31 मार्च 2021 तक बढ़ा दिया है।

भारत-चीन तनाव के चलते चीनी मोबाइल कम्पनियों का प्रोडक्शन घटा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

शाओमी, ओप्पो, वीवो और रियलमी जैसी चीनी कम्पनियों के हजारों करोड़ रुपयों के स्मार्टफोन का प्रोडक्शन इस समय काफी प्रभावित हुआ है। इसकी वजह ये है कि चीन से आने वाले इनके कॉम्पोनैंट नहीं पहुंच पा रहे हैं क्योंकि बंदरगाहों पर इस समय सख्त चैकिंग हो रही है और सप्लाई घट गई है। वहीं दूसरी ओर कोरोना सेफ्टी प्रोटोकॉल्स की वजह से लेबर की कमी ने स्थिति को और खराब कर दिया है। इसकी वजह से इन स्मार्टफोन का प्रोडक्शन कोरोना से पहले की तुलना में करीब 30-40 प्रतिशत तक घट गया है। इंडस्ट्री के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार इस समय चीनी कम्पनियां मांग को पूरा नहीं कर पा रही हैं। कम्पनियां अथॉरिटीज से बात कर रही हैं और कोशिश हो रही है कि बंदरगाहों पर फंसा सामान वहां से निकल कर कम्पनियों तक पहुंच सके। एक टॉप चीनी कम्पनी के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार इन दिनों उनका अधिकतर समय सामान की सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए इधर-उधर घूमने में ही निकल रहा है और वह कम्पनी ऑप्रेशन पर ध्यान नहीं दे पा रहे हैं। एक अन्य चीनी कम्पनी के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि बंदरगाहों पर फंसा सामान धीरे-धीरे निकल रहा है, लेकिन स्थिति अभी भी चिंताजनक ही है। अधिकारी का कहना है कि आज की इस परिस्थिति में बिजनैस करना बहुत ही मुश्किल है जब हमें ये भी नहीं पता कि आने वाले दिनों में सप्लाई मिल पाएगी या नहीं। ऐसे में हम कैसे अपने मॉडल तैयार करें और कैसे सेल्स प्लानिंग करें? इसी बीच इंडियन सैल्यूलर एंड इलैक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन के चेयरमैन पंकज मोहिंद्रू ने कहा कि अगर कम्पोनैंट सप्लाई की बात करें तो चीजें अब सामान्य होने लगी हैं। उन्हें उम्मीद है ।

इस महीने के अंत तक प्रोडक्शन 80 प्रतिशत तक पहुंच जाएगा। उन्होंने कहा कि कोशिश की जा रही है कि सारे कम्पोनैंट का ईकोसिस्टम देश में ही तैयार हो सके ताकि आयात पर निर्भरता घटे। तमाम प्रतिबंधों की वजह से न सिर्फ चीनी मोबाइल फोन पर असर पड़ा है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

चीन के बैडमिंटन खिलाड़ी सुपर डैन ने राष्ट्रीय टीम से लिया संन्यास

बीजिंग। चीन के करिश्माई बैडमिंटन खिलाड़ी और सुपर डैन के नाम से मशहूर लिन डैन ने शनिवार को सोशल मीडिया पर अपने संन्यास की घोषणा कर दी और इसके साथ ही उनके राष्ट्रीय टीम के साथ 20 साल के चमकदार करियर का समापन हो गया। दो बार के ओलम्पिक चैंपियन और पांच बार के विश्व चैंपियन लिन डैन ने चीन के ट्विटर जैसे सोशल मीडिया वीबो पर कहा, '2000 से 2020 तक, 20 साल के बाद मैं राष्ट्रीय टीम को अलविदा कह रहा हूं, हालांकि ऐसा करना मेरे लिए बहुत मुश्किल था। लिन डैन ने कहा, 'मैं 37 साल का हो चुका हूं और मेरी शारीरिक स्थिति और चोटें मुझे अब अनुमति नहीं देती हैं कि मैं अब कोट पर उतारकर विपक्षी का मुकाबला कर सकूं। आने वाले दिनों मैं उम्मीद करता हूं कि मैं अपने परिवार के साथ ज्यादा समय बिता पाऊंगा।

खिलाड़ी सिर्फ खेल को एंजॉय करें, उन्हें हार और जीत के बारे में नहीं सोचना चाहिए: पीवी सिंधु

स्पोर्ट्स डेस्क (एजेंसी)।

भारत की बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने कहा कि खिलाड़ियों को जीत और हार के बारे में ज्यादा सोचना नहीं चाहिए। उन्हें सिर्फ खेल को एंजॉय करना चाहिए। ओलिंपिक सिल्वर मेडलिस्ट सिंधु ने शुक्रवार को फिट इंडिया के प्रोग्राम को संबोधित किया था। इस दौरान खेल मंत्री किरन रिजिजू और इंडियन फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री भी थे। अपनी स्पीच में सिंधु ने स्कूली बच्चों को जीवन में खेल का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि व्यक्ति के जीवन में घर से लेकर स्कूल तक, किसी न किसी रूप में खेल होना बहुत जरूरी है। फिट रहने के लिए खेल जरूरी हैं।

फिट रहने के लिए 45 मिनट प्रैक्टिस काफी

ऐसा भी नहीं होना चाहिए कि आप घंटों तक प्रैक्टिस ही करते रहें। फिट रहने के लिए किसी भी उम्र के व्यक्ति के लिए 45 मिनट से 1 घंटे का अभ्यास काफी है। साथ ही हर खेल के खिलाड़ी के लिए फिटनेस जरूरी है। फिजिकल और मेंटल ट्रेनिंग के साथ ही एंड्यूरेंस, एजिलिटी और वेट ट्रेनिंग भी जरूरी है।

सुनील छेत्री ने कहा, ''आजकल के बच्चों के लिए जरूरी है कि वे खेल को करियर के रूप में चुनें। इसमें माता-पिता का सपोर्ट जरूरी है। बच्चों को इच्छा के अनुसार ही खेल को चुनना चाहिए। मेरे माता-पिता ने मेरा सपोर्ट किया, तभी मैं अपनी प्रतिभा को सामने रख पाया।'' छेत्री ने कहा, ''जब कोई खेलने की प्रैक्टिस शुरू करता है, इसमें माता-पिता का सपोर्ट जरूरी है। बच्चों को इच्छा के अनुसार ही खेल को चुनना चाहिए। मेरे माता-पिता ने मेरा सपोर्ट किया, तभी मैं अपनी प्रतिभा को सामने रख पाया।'' छेत्री ने कहा, ''जब कोई खेलने की प्रैक्टिस शुरू करता है, तो वह धीरे-धीरे अनुशासित होने लगता है।

साथ ही सोच में भी बदलाव आने लगता है। आप बेहतर सोचना शुरू करते हैं। हम खेल की वजह से बेहतर व्यक्ति बनते हैं, इसलिए खेल को कभी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। अच्छे खिलाड़ी बनने के लिए अच्छी नींद लेना और संतुलित भोजन लेना भी जरूरी है।''

एवर्ट ने नवरातिलोवा के साथ लंबी प्रतिद्वंद्विता के उतार-चढ़ाव को याद किया

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी क्रिस एवर्ट ने अपनी हमवतन दिग्गज मार्टिना नवरातिलोवा के साथ करियर के दौरान उतार-चढाव के रिश्ते को याद करते हुए कहा कि दोनों एक-दूसरे के काफी करीब हैं। एवर्ट ने द एसोसिएटेड प्रेस से टेलीफोन पर दिये साक्षात्कार में कहा, 'फरवरी में मेरी बहन का निधन हुआ और उस समय मार्टिना मेरे साथ थी। वह उनकी अंतिम संस्कार में भी शामिल हुई थी। वह रात 10 बजे तक मेरे घर में रूकी थी। वह और पैम श्राइवर मेरे साथ थी। एवर्ट ने कहा, 'मार्टिना निश्चित रूप से मेरे सबसे करीबी सहेलियों में से एक है। अब हमारी कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है, इसलिए हमारे रिश्ते में कोई तनाव नहीं है। यह एक तरह की भावना है। एवर्ट और नवरातिलोवा के बीच पांच बार विम्बलडन का फाइनल खेला गया । दोनो की प्रतिद्वंद्विता की तुलना नवरातिलोवा - स्टेफी ग्राफ, पीट सम्प्रास- आद्रे अगासी, राफेल नडाल - रोजर फेडरर तथा ब्योर्न बोर्ग-जॉन मैकेनरो की प्रतिद्वंद्विता से की जाती है। एवर्ट ने कहा, 'कोर्ट पर मुकाबला काफी कड़ा होता है। और हर खिलाड़ी अपने साथ नये प्रशंसकों को लेकर आता है। एक-दूसरे के खिलाफ एकल मुकाबले में प्रतिद्वंद्वी रही एवर्ट और नवरातिलोवा ने युगल जोड़ी बनाकर फ्रेंच ओपन और विंबलडन का खिताब जीता है। दोनों दिग्गजों के बीच 1973 में ओहियो के अकरोन में पहला मुकाबला खेला गया था तब 18 साल की एवर्ट ने 16 साल की नवरातिलोवा को हराया था।

किरण मोरे ने टीम इंडिया के पूर्व कप्तान गावस्कर की बल्लेबाज पर उठाए सवाल, दिया बयान

स्पोर्ट्स डेस्क। अपने समय में दिग्गज गेंदबाजों के छक्के छुड़ाने वाले टीम इंडिया के स्टार विकेटकीपर किरन मोरे ने भारतीय टीम के पूर्व लेजेंड कप्तान सुनील गावस्कार की बल्लेबाजी के बारे में खुलासा किया है। जिसके बाद क्रिकेट के गलियारें में इस बात की जमकर चर्चा हो रही है। दरअसल, एक क्रिकेट वेबसाइट से बातचीत के दौरान ने गवास्कर ने कहा, मैंने जितने भी खिलाड़ियों को नेट्स में देखा वह उन सबमें सबसे ज्यादा खराब थे। नेट्स में वह कभी भी प्रैक्टिस जैसा कुछ करते ही नहीं थे। जब आप उनको नेट्स में प्रैक्टिस करते हुए देखते और उनके दूसरे दिन टेस्ट मैच खेलना होता था। मोरे ने आगे कहा, वहीं जब अगले दिन के टेस्ट मैच में उनका खेल देखते तो वह 99.9 प्रतिशत अलग होता था। जब आप उनको नेस्ट में प्रैक्टिस करते हुए देखते तो सोच में पड़ जाते कि यह खिलाड़ी कल कैसे रन बनाएगा लेकिन जब दूसरे दिन उनकी बल्लेबाजी देखते कहते वाह क्या बात है। गौरतलब है कि गावस्कर के क्रिकेटर करियर पर एक नजर डाले तो उन्होंने अपने 125 टेस्ट मैच में 51.12 की औसत से 10122 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 66.4 का रहा है। चौंकाने वाली बात तो ये हैं कि इस प्रारूप में उन्होंने वनडे के मुकाबले अधिक छक्के भी मारे हैं। टेस्ट और वनडे कॅरियर में गावस्कर के प्रारूप की तुलना की जाए टेस्ट प्रारूप में दस हजार पूरे करने वाले विश्व के पहले बल्लेबाज थे गावस्कर उन्होंने टेस्ट में 34 शतक मारने का वर्ल्ड रिकॉर्म कायम किया । जिसे दिसबंर साल 2005 में महान खिलाड़ी सचिन ने तोड़ा गावस्कर टेस्ट प्रारूप की दोनों इनिंग में तीन बार शतक मारने वाले पहले खिलाड़ी थे।

जर्मनी में क्लब क्रिकेट एक महीने पहले शुरू हो चुका है, इंग्लैंड में सरकार ने पाबंदी लगा रखी है

स्पोर्ट्स डेस्क(एजेंसी)।

कोरोना के कारण पूरी दुनिया में क्लब क्रिकेट लगभग बंद है। इंग्लैंड में भी इसकी शुरुआत नहीं हुई है। प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन अभी क्लब क्रिकेट को शुरू करने के पक्ष में नहीं हैं। वहीं हमारे देश में ट्रेनिंग तक शुरू नहीं हो सकी है। इस बीच जर्मनी में एक महीने से क्लब क्रिकेट खेला जा रहा है। हालांकि यहां वनडे के आयोजन बंद है। इस कारण टी-20 लीग के मुकाबले खेले जा रहे हैं। देश के 16 में से 14 राज्यों में क्रिकेट शुरू हो चुका है। मैच को घरेलू मैदान पर ही कराया जा रहा है, ताकि खिलाड़ियों को अधिक ट्रैवल ना करना पड़े। जर्मनी में क्रिकेट को कॉन्टैक्ट स्पोर्ट्स में शामिल नहीं किया गया है। ऐसे में इसके आयोजन को मंजूरी मिल चुकी है। जर्मनी क्रिकेट फेडरेशन के चीफ एक्जीक्यूटिव ब्रायन मेंटले ने कहा, 'हमारे विशेषज्ञों ने बताया कि खेल से कोरोना के फैलने का अंदेशा नहीं है। हमारे यहां खेल को नॉन-कॉन्टैक्ट स्पोर्ट्स में शामिल किया गया है। इस कारण हमें खेलने की अनुमति है। हमने आयोजन के लिए सोशल डिस्टेंसिंग का नियम भी बनाया है।' देश में क्रिकेट का चलन बढ़ रहा है। यहां खिलाड़ी अधिकतर हेलमेट चेंज करते हैं। लेकिन अब इसमें बदलाव आया है। अब हेलमेट को दूसरे खिलाड़ी को देने से पहले सैनिटाइज किया जाता है। हर ओवर के बाद अंपायर गेंद को सैनिटाइज करते हैं। विकेटकीपर को स्टंप के पास से कीपिंग की इजाजत नहीं है। जर्मनी में कोरोना के लगभग एक लाख 96 हजार केस हैं। मेंटल ने कहा कि देश में अफगानिस्तान के शरणार्थियों के बढ़ने से क्रिकेट को बढ़ावा देने में काफी सहयोग मिला। 6 साल में क्लबों की संख्या 70 से बढ़कर 370 हो गई है। महिला क्रिकेट में भी बढ़ोतरी हुई। इंटरनेशनल टी-20 रैंकिंग की बात की जाए तो महिलाओं की रैंकिंग 27 जबकि पुरुषों की 33 है। उन्होंने कहा कि 2026 टी-20 वर्ल्ड कप में टीमों की संख्या को 20 किया जा सकता है। ऐसे में हमारे वर्ल्ड कप खेलने की उम्मीद बढ़ जाएगी। मेंटले ने कहा कि देश में अभी अधिकतर फुटबॉल के मैदान हैं। हम जल्द देश में पहला इंटरनेशनल स्तर का ग्राउंड बनाने जा रहा हैं, ताकि टी-20 इंटरनेशनल मैच का आयोजन किया जा सके।

संक्षिप्त समाचार

सचिन-रोहित नहीं, जाफर ने कोहली को बताया बेस्ट क्रिकेटर; पसंदीदा कप्तान का भी किया खुलासा

स्पोर्ट्स डेस्क । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व टेस्ट ओपनर वसीम जाफर ने सचिन तेंदुलकर और रोहित शर्मा की बजाय मौजूदा कप्तान विराट कोहली को सफेद गेंद का बेस्ट क्रिकेटर बताया है। जाफर के मुताबिक भारत में सफेद गेंद से कोहली जैसा खेलने वाला बल्लेबाज नहीं आया है। एक वेबसाइट से बातचीत के दौरान जब जाफर से पूछा गया कि सचिन, रोहित और कोहली में से कौन सा बल्लेबाज सफेद गेंद में बेस्ट है। इस पर उन्होंने बिना समय गंवाते हुए कोहली का नाम लिया। विराट ने वनडे में 11 हजार से ज्यादा रन बनाए हैं। उनके नाम 43 शतक भी हैं। दूसरी और सचिन के 463 वनडे में 18426 रन हैं। रोहित ने वनडे में अब तक 224 मैचों में 9115 रन बनाए हैं। कोहली के नाम 248 मैच में 11867 रन हैं। जाफर ने इस दौरान सौरव गांगुली को अपना पसंदीदा कप्तान बताया। उन्होंने कहा, वह गांगुली ही थे जिन्होंने साल 2000 के बाद टीम बनाई थी। उनके पास टेम्परामेंट था। उन्होंने खिलाड़ियों का समर्थन किया और उन्हें मौके दिए। उन्होंने सहवाग से ओपनिंग कराई। जहीर खान, युवराज सिंह और हरभजन सिंह जैसे खिलाड़ियों को टीम में लाए।' गौर हो कि हाल ही में उत्तराखंड रणजी टीम के मुख्य कोच बने जाफर ने 7 मार्च को क्रिकेट के सभी फार्मेट से संन्यास ले लिया था। 24 साल के लंबे करियर में उन्होंने भारत के लिए 31 टेस्ट में 1944 रन बनाए थे। उन्होंने 5 शतक और 11 अर्धशतक लगाए। वहीं उन्होंने 2 वनडे मैच भी खेले लेकिन इसमें वह मात्र 10 रन ही बना सके थे।

पहले टेस्ट के लिए इंग्लैंड टीम का ऐलान, किसे मिला मौका, कौन हुआ बाहर

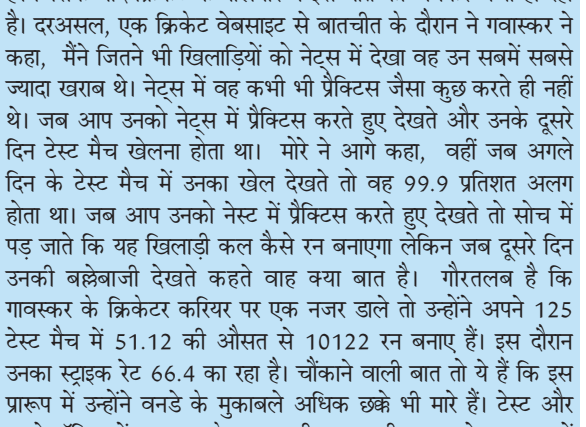

स्पोर्ट्स डेस्क (एजेंसी)।

कोरोना वायरस महामारी के बीच इंग्लैंड बोर्ड ने विंडीज के साथ होंने वाले पहले टेस्ट मैच के लिए इंग्लैंड के 13 सदस्यों की टीम का ऐलान कर दिया है। जिसमें टीम के स्टार खिलाड़ी जॉनी बेयरस्टो और ऑलराउंडर मोइन अली को टीम से बाहर का रास्ता दिखाया है। बता दें, बोर्ड ने स्टोक्स को कप्तानी का जिम्मा थमाया है।

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने इंग्लैंड के खिलाफ प्रस्तावित 3 टेस्ट मैचों के लिए टीम का ऐलान कर किया था। वेस्टइंडीज बोर्ड ने इंग्लैंड दौरे के लिए 14 सदस्यीय टीम का ऐलान किया। हैरानी की बात ये रही थी कि वेस्टइंडीज की टीम में शिमरोन हेटमेयर, डैरेन ब्रावो और कीमो पॉल को जगह नहीं दी गई है। इंग्लैंड की टीम- बेन स्टोक्स (कप्तान), जेम्स एंडरसन, जोफा आर्चर, डोमिनिक बेस, स्टुअर्ट ब्रॉड, रॉरी बर्न्स, जोस बटलर (उपकप्तान), जैक क्राउली, जो डेनली, ओली पोप, डोम सिब्ली, क्रिस वोक्स, मार्क वुड। वेस्टइंडीज की टीम इस प्रकार है.... जर्मेन ब्लैकवुड, नक्रमा बोनर, क्रैग ब्रैथवेट, शमर ब्रूक्स, जॉन कैंपबेल, रोस्टन चेस, रहकेम कॉर्नवाल, शेन डाउरिच, केमर होल्डर, जेसन होल्डर (कप्तान), शाई होप, अल्जारी जोसेफ, रेमन रिफर, केमर रोचेर।

हॉकी इंडिया के कोचों, तकनीकी अधिकारियों के लिए ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित करेगा एएचएफ

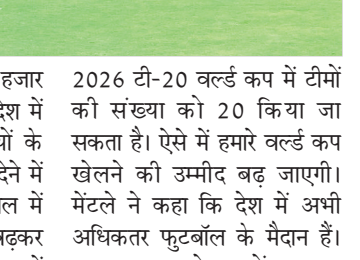

नई दिल्ली । एशियाई हॉकी महासंघ (एएचएफ) हॉकी इंडिया के कोचों और तकनीकी अधिकारियों के लिए ऑनलाइन शिक्षा कार्यशालाओं का आयोजन करेंगे जिससे उन्हें विविध ज्ञान प्राप्त करने में मदद मिल सके। हॉकी इंडिया के कोच, तकनीकी अधिकारी, अंपायर और अंपायर प्रबंधकों के लिए शनिवार से 19 जुलाई तक कुल 10 एएचएफ ऑनलाइन शिक्षा कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। हॉकी इंडिया के मुताबिक, 'जून में विभिन्न एशियाई देशों के लिए एएचएफ ऑनलाइन शिक्षा कार्यशालाओं के सफल समापन के बाद हॉकी इंडिया ने भारतीय कोच और तकनीकी अधिकारियों के लिए विशेष रूप से उसी तरह की कार्यशालाओं के संचालन के लिए एएचएफ से अनुरोध किया था। इस अनुरोध को स्वीकार कर लिया गया है। विज्ञप्ति के मुताबिक, 'हॉकी इंडिया ने पिछले महीने आठ शिक्षा कार्यशालाओं में से प्रत्येक के लिए अधिकतम छह उम्मीदवारों को नामांकित किया था लेकिन इस महीने 25 से अधिक कोच और 15 तकनीकी अधिकारी एएचएफ की ऑनलाइन शिक्षा कार्यशालाओं में भाग लेंगे। इस कार्यशाला में अंतरराष्ट्रीय मैचों और टूर्नामेंटों के प्रबंधन और विभिन्न पहलुओं पर तकनीकी विशेषज्ञता और ज्ञान प्रदान किया जाएगा। इसके प्रतिभागियों को कार्यशालाओं के अंत में एक प्रमाणपत्र दिया जाएगा जो उन्हें भविष्य में एफआईएच, एएचएफ पाठ्यक्रम के लिए चयनित होने में मदद करेगा। इस कार्यशाला में अंतरराष्ट्रीय मैचों और टूर्नामेंटों के प्रबंधन और विभिन्न पहलुओं पर इस कार्यशाला में अंतरराष्ट्रीय मैचों और टूर्नामेंटों के प्रबंधन और विभिन्न पहलुओं पर तकनीकी विशेषज्ञता और ज्ञान प्रदान किया जाएगा। इसके प्रतिभागियों को कार्यशालाओं के अंत में एक प्रमाणपत्र दिया जाएगा जो उन्हें भविष्य में एफआईएच, एएचएफ पाठ्यक्रम के लिए चयनित होने में मदद करेगा।

जयपुर में बनेगा दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम

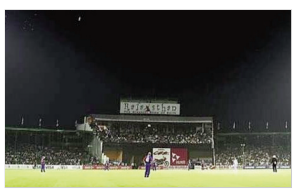

जयपुर। राजस्थान क्रिकेट संघ (आरसीए) द्वारा जयपुर में प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम दुनिया का तीसरा और देश का दूसरा सबसे बड़ा स्टेडियम होगा। आरसीए के सचिव महेंद्र शर्मा ने बताया कि इसकी क्षमता 75 हजार दर्शकों की होगी जो गुजरात के मोटेरा क्रिकेट स्टेडियम और आस्ट्रेलिया के मेलबोर्न क्रिकेट स्टेडियम के बाद तीसरा सर्वाधिक है। स्टेडियम का दो चरणों में निर्माण किया जाएगा। पहले चरण में 45 हजार दर्शकों की क्षमता होगी जबकि दूसरे चरण में इसकी क्षमता बढ़ाकर 75 हजार दर्शकों की जाएगी। उन्होंने बताया कि यह स्टेडियम 100 एकड़ जमीन में निर्मित किया जाएगा, जिसमें बहुउद्देशीय प्रशिक्षण अकादमी, इंडोर खेलों की सुविधाओं से युक्त आधुनिक क्लब हाऊस, चार हजार कारों के लिए पार्किंग और पब्लिक ट्रांसपोर्ट के लिए विशेष स्थान का निर्माण किया जाएगा। शर्मा ने बताया कि स्टेडियम के पूरब और पश्चिम में जनता की सुविधा के लिए रेस्टोरेंट सहित अन्य सुविधायें भी मुहैया कराई जाएंगी। उन्होंने बताया कि स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय स्तर के दो मैदान भी होंगे जिनमें 30 प्रेक्टिस नेट होंगे। इसके अलावा मीडिया के लिए 250 सीटों की क्षमता का अत्याधुनिक प्रेस कांफ्रेंस कक्ष होगा। उन्होंने बताया कि इस सम्बन्ध में इंदौर की मेहता ऐंड एसोसिएट और दिल्ली की स्पोर्ट्स डिजाईन कंसल्टेंट फर्म द्वारा स्टेडियम के निर्माण की पूर्ण जानकारी शुक्रवार को राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष एवं आरसीए के मुख्य संरक्षक डा सी पी जोशी और आरसीए अध्यक्ष वैभव गहलोत को विस्तृत रूप से दी गई। उन्होंने बताया कि इस विश्व स्तरीय ग्रीन क्रिकेट स्टेडियम में मुख्य रूप से अत्याधुनिक ग्रैंड पैवेलियन स्टैंड्स, कॉर्पोरेट बॉक्स, विश्वस्तरीय खेल मैदान, स्टेडियम में आने वाले सभी खिलाडियों, दर्शकों सहित सभी विशिष्ट खेल प्रेमियों के लिए उच्च स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध होंगी। शर्मा ने बताया कि इससे पहले आज आरसीए अकादमी पर आरसीए अध्यक्ष वैभव गहलोत की अध्यक्षता में राजस्थान क्रिकेट संघ कार्यकारिणी की बैठक हुई ।

वॉर्नर ने कोहली को किया ट्रोल, विराट की पावर स्नैच वाली वीडियो पर कही बात

स्पोर्ट्स डेस्क । अपनी फिटनेस के लिए जाने जाते भारतीय कप्तान विराट कोहली ने हाल ही में एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वह पावर स्नैच करते हुए नजर आ रहे हैं। जहां कई लोगों ने उनकी इस वीडियो की सराहना की है, वहीं ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज ओपनर डेविड वॉर्नर ने ट्रोल कर दिया और कहा कि उन्होंने हल्का वजन उठाया है। कोहली द्वारा इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए लिखा, अगर मुझे रोजाना एक व्यायाम करने का विकल्प चुनना हो तो वह यही होगा। पावर स्नैच से प्यार। इस पर वॉर्नर ने कमेंट करते हुए लिखा, वजन कम लग रहा है। इसी के साथ ही वॉर्नर ने अपने कमेंट में हंसी वाली इमोजी का भी उपयोग किया। वॉर्नर के इस कमेंट को 2500 से ज्यादा लोगों ने लाइक और कई यूजर्स ने रिप्लाई भी किया। गौर हो कि कोरोना संकट के कारण सभी खिलाड़ी घरों में कैद हैं जिसमें टीम इंडिया भी शामिल है। फिलहाल भारतीय टीम मैदान पर कब लौटेगी दक्षिण अफ्रीका बोर्ड ने अगस्त में भारतीय टीम की मेजबानी की बात कही है लेकिन अब तक उस सीरीज का शेड्यूल तैयार नहीं है।

बाबर आजम पर भड़के पूर्व पाकिस्तानी कप्तान, - महान खिलाड़ियों से तुलना के लायक नहीं

स्पोर्ट्स डेस्क (एजेंसी)।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के सीमित ओवरों के कप्तान बाबर आजम की तुलना अकसर भारतीय कप्तान विराट कोहली से होती रहती है। हाल ही में एक बयान में बाबर ने कहा था कि उनकी तुलना भारतीय कप्तान विराट कोहली के बजाय पाकिस्तान के महान खिलाड़ियों इंजमाम उल हक, यूनुस खान जैसे दिग्गजों से हो तो उन्हें अधिक खुशी होगी। लेकिन पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लातीफ ने बाबर को फटकारते हुए कहा कि वह अभी इस लायक नहीं हुए हैं कि उनकी तुलना इन महान खिलाड़ियों के साथ की जाए। उन्होंने बाबर के बयान को गलत बताते हुए कहा, किसी भी खिलाड़ी की तुलना उसके मौजूदा समय के खिलाड़ियों से ही होती है। ऐसे में साफ है कि बाबर की तुलना विराट कोहली, जो रूट या केन विलियमसन जैसे बल्लेबाजों से होगी। पूर्व कप्तान ने कहा कि उन्होंने पाकिस्तानी दिग्गजों से तुलना का बयान दबाव में दिया है। उन्होंने कहा, बाबर को समझना होगा कि वह अभी उस जगह नहीं पहुंचा है कि जहां उसकी तुलना इंजमाम या यूनुस खान से की जा सके। यह स्वाभाविक है कि उनकी तुलना उनके समय के खिलाड़ियों के साथ ही की जाएगी। राशिद लातीफ ने कहा कि ये सुनकर अच्छा लगा कि वह चाहते हैं कि उनकी तुलना पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हो लेकिन यह साफ है कि यह उनका अपना बयान नहीं है बल्कि उन्हें ऐसा कहने के लिए कहा गया है। बाबर को लताड़ने के साथ ही राशिद लतीफ ने ये भी स्वीकार किया कि बाबर के अंदर पाकिस्तान के महान खिलाड़ियों में शामिल होने वाले सभी गुण मौजूद हैं। बाबर को लताड़ने के साथ ही राशिद लतीफ ने ये भी स्वीकार किया कि बाबर के अंदर पाकिस्तान के महान खिलाड़ियों में शामिल होने वाले सभी गुण मौजूद हैं।

उन्होंने कहा, बाबर ने करियर में जितने कम समय में इतनी उपलब्धियां हासिल की है तारीफ के काबिल है। उन्होंने हर देश में रन जाकर बन बनाए हैं जो कि उन्हें शानदार बल्लेबाज बनाता है। उनके खेलने का ढंग, तकनीक उन्हें से अलग बनाती हैं। बाकी खिलाड़ियों से अलग बनाती हैं। कोहली के साथ उनकी तुलना इसलिए होती है क्योंकि बाबर में काफी कबिलियत है।

कोरोना वायरस के कारण कुटबॉल दिल्ली का बड़ा कदम, खिलाड़ियों की पंजीकरण फीस माफ की

नई दिल्ली । फुटबॉल दिल्ली ने कोविड-19 महामारी के मद्देनजर वित्तीय बोझ को कम करने के लिए खिलाड़ियों के पंजीकरण और क्लब एवं अकादमियों की मान्यता और लाइसेंस फीस माफ करने का फैसला किया है। यह फैसला शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित फुटबॉल दिल्ली की कार्यकारी समिति की बैठक में लिया गया। इसकी अवधि 31 मार्च 2021 तक रहेगी। फुटबॉल दिल्ली के अध्यक्ष शाजी ने विज्ञप्ति के जरिये कहा, 'इस फैसले से क्लब और अकादमी काफी धन राशि की बचत कर पायेंगे। उन्होंने कहा, 'कोविड-19 महामारी के कारण खिलाड़ी, रेफरी, दिल्ली के क्लब एवं फुटबॉल अकादमी वित्तीय संकट का सामना कर रहे हैं। इसके साथ ही कार्यकारी समिति ने तीन अगस्त को दिल्ली फुटबॉल दिवस के मौके पर इस दिन भारतीय कप्तान और दिल्ली के खिलाड़ी सुनील छेत्री का जन्मदिन भी है। डिजिटल सम्मेलन का विषय 'दिल्ली को विविधता वाला फुटबॉल शहर बनाना रहेगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फिल्मी दुनिया

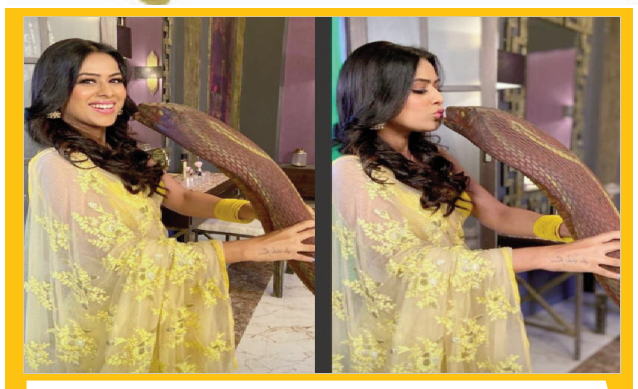

बेखौफ होकर नागिन को किस करती नजर आईं निया शर्मा, एक्ट्रेस की तस्वीरें देख छुटे फैंस के पसीने

बॉलीवुड । टीवी की मशहूर एक्ट्रेस निया शर्मा सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं। वो अपने से जुड़े अपडेट्स अक्सर फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। सोशल मीडिया पर उनकी हर पोस्ट को फैंस द्वारा खूब पसंद किया जाता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्हें देख फैंस हके-बके हो रहे हैं। एक्ट्रेस की ये तस्वीरें इंटरनेट पर खूब वायरल हो ही हैं। वायरल तस्वीरों में निया शर्मा नागिन को किस करती नजर आ रही हैं। फोटो में निया ने येलो कलर के सूट में नजर आ रही हैं और उन्होंने बड़े प्यार से नागिन को पकड़े हुए उसके होंठों पर किस कर रही हैं। बता दे ये तस्वीरें देखकर आपको डरने की जरूरत नहीं है क्योंकि ये सांप नकली है। बता दें अनलॉक 2 के साथ ही अब नागिन 4 की शूटिंग भी दोबारा शुरू हो चुकी है। बीते दिनों एक्ट्रेस जान हथेली पे लेकर शूटिंग के सेट पर पहुंची थीं और इंस्टाग्राम पर तस्वीरें भी शेयर की थीं।

सोनू निगम ने चाइनीज प्रॉडक्ट्स का बहिष्कार करने की अपील की

मुंबई । बॉलीवुड के जाने-माने पार्श्वगायक सोनू निगम ने लोगों से चाइनीज सामान का बहिष्कार करने की अपील की है।भारत और चीन के बीच सीमा विवाद को लेकर जारी गतिरोध के बीच केंद सरकार ने चीन के 59 एप पर रोक लगा दी है और लोग सरकार के इस फैसले के स्वागत कर रहे हैं। सोनू ने चाइनीज एप पर रोक का समर्थन करते हुए लोगों से चाइनीज सामान के बहिष्कार की अपील की है।सोनू निगम ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में उन्होंने कहा, दुर्भाग्यपूर्ण है कि चीन समझदारी की या प्यार की भाषा नहीं समझ पा रहा और वो हमारे देशवासियों को, हमारे फौजियों को चैलेंज कर रहा है, चुनौती दे रहा है।मेरा सिर्फ अपने आप से भी एक वादा रहेगा और मैं आप लोगों से भी दरख्वास्त करना चाहता हूं कि यदि आपसे हो सके, जो कि होना ही चाहिए तो चाइनीज प्रॉडक्ट्स का बहिष्कार करें। इतना तो हम कर सकते हैं हमारे फौजियों के लिए, इतना तो हम कर सकते हैं हमारे देश के लिए। लोग सीमा पर जाकर अपना खून बहा रहे हैं, अपनी जान दे रहे हैं, और हम सिर्फ इतना नहीं कर सकते कि हम चाइनीज प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल बंद कर दें। मैं जानता हूं कि ऐसी कई चीजें होंगी जिन्हें आपको त्यागने में बड़ा मुश्किल होगा। लेकिन यदि हम ये सब ठान लें, हम आपस में एकबार ठान लें, तो शायद ये संभव है।

स्टाइलिश लुक में रेडियो स्टेशन के बाहर स्पॉट हुईं अमांडा होल्डन

लंदन। एक्ट्रेस अमांडा होल्डन अक्सर अपनी तस्वीरों की वजह से चर्चा में रहती हैं। हाल में अमांडा को लंदन में रेडियो सेंटर के बाहर स्पॉट किया गया। इस दौरान अमांडा ब्लू शर्ट और जींस में में स्टाइलिश दिखीं। इसके साथ मिनिमल मेकअप, शेड्स, ओपन हेयर्स उनके लुक को परफेक्ट बना रहे हैं। इस आउटफिट के साथ उन्होंने रेड कलर की हील्स पेयर की थीं। लंदन की सड़कों पर अमांडा स्टाइलिश अंदाज में पोज दे रही हैं।हसीना की ये तस्वीरें सोशल साइट पर काफी वायरल हो रही हैं। फैंस उनकी इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं। बता दें कि अमांडा सोशल साइट पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह आए दिन फैंस के साथ तस्वीरें शेयर करती हैं, जिन्हें फैंस काफी पसंद करते हैं।

कोरोना का शिकार हुईं टीवी एक्ट्रेस, सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर लोगों को दी ऐसी सलाह

बॉलीवुड तड़का टीम। कोरोना वायरस आए दिन दुनिया में अपनी पकड़ मजबूत बनाता जा रहा है। आए दिन इसके मरीजों की संख्या में वृद्धि हो रही है। हालांकि कई फिल्म और टीवी स्टार्स भी को इस वायरल के संक्रमण से नहीं बच पाए हैं। हाल ही में खबर सामने आई है कि तेलुगू टीवी एक्ट्रेस नव्या स्वामी कोरोना पॉजिटिव पाई गई हैं। इस बात की जानकारी एक्ट्रेस ने खुद सोशल मीडिया पर दी है । नव्या ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर करते हुए बताया, हैलो, उम्मीद है कि आप सब ठीक होंगे। मैं कोविड पॉजिटिव पाई गई हूं। जैसे ही मुझे ये पता चला मैंने तुरंत अपने डॉक्टर से सलाह लेकर खुद को आइसोलेट किया। मैं पूरी तरह से मेडिकेशन में हूं और अपनी इम्यूनिटी को बढ़ाने के लिए हेल्थी खाना खा रही हूं। मैं अपने सभी करीबियों और दोस्तों से अपील करती हूं कि जो भी पिछले हफ्तों में मुझसे मिले, वे खुद को आइसोलेट करें, अपना कोरोना टेस्ट कराएं। एक्ट्रेस ने आगे कहा, इसमें कोई शर्मिंदगी की बात नहीं है और डरने की भी कोई बात है। मुझे पता है कि लोग नेगेटिव बातें करेंगे, नेगेटिविटी से दूर रहें। अगर आप पॉजिटिव भी होते हैं तो स्ट्रॉन्ग रहें। मैं आप सभी लोगों की दुआ से अच्छे से रिकवर कर रही हूं। वहीं नव्या ने एक इंटरव्यू में बात करते हुए बताया कि जब मुझे पता चला कि मैं कोरोना पॉजिटिव हो गई हूं तो मैं खूब रोई। मैं घर जाते वक्त बहुत रोई थी और सुबह तक रोती रही। मुझे रात को नींद नहीं आई। मेरी मां अभी तक रो रही हैं, मेरा फोन बिजी है, व्हाट्स एप पर मुझे ढेरों मैसेज आ रहे हैं। मुझे बहुत बुरा लग रहा था कि मैंने अपने को-स्टार्स,क्रू की जिंदगी को भी खतरे में डाल दिया है।

तीसरे पर्दे पर 7 बड़ी फिल्मों को रिलीज करने पर सिनेमाघरों का फुंटा गुस्सा, लिया बड़ा फैसला

बॉलीवुड ।

कोरोना महामारी से लगे देश में लॉकडाउन को अब खोला जा चुका है। अनलॉक के चरण के साथ ही देश के लगभग हर एक सेक्टर में काम दोबारा शुरू हो चुका है। इसके बावजूद भी अगर किसी सेक्टर को कोरोना से सबसे ज्यादा नुसकान झेलना पड़ रहा है तो वो है एटंरटेनमेंट सेक्टर है क्योंकि इस दौरान सभी सिनेमाघरों में ताला लटकें पड़े है और कोई भी फिल्म बड़े पर्दों पर रिलीज नहीं हो पा रही है। कोई भी फिल्म एक्टर अपनी फिल्मों को थियेटर में रिलीज नहीं कर पा रहे है। ऐसे में अमिताभ की गुलाबो सिताबो और शकुंतला देवी को अमेजन प्राइम पर रिलीज किया गया। वहीं नेटफिलक्स पर गुंजन सक्सेना द कारगिल गर्ल को रिलीज किया गया है। इसी बीच अब बड़ी खबर ये आई है कि अब बॉलिवुड की 7 बड़ी फिल्में डिजनी प्लस हॉटस्टार पर रिलिज किए जाएंगे। 7 बड़ी फिल्में है इस 7 फिल्मों की लिस्ट में अक्षय कुमार की लक्ष्मी बॉम्ब , आलिया भट्ट की सड़क 2, अजय देवगन की भुजः द प्राइड ऑफ इंडिया , अभिषेक बच्चन की द बिग बुल , कुणाल खेमू की कॉमेडी फिल्म लूटकेस , विद्युत जामवाल की खुदा हाफिज और दिवंगत सुशांत सिंह राजपूत की दिल बेचारा शामिल हैं। बॉलिवुड की इन बड़ी फिल्मों को अब बड़े पर्दे के अलावा तीसरे पर्दे पर उतारा जाएगा। बता दें कि इस फैसले से सिनेमाघरों के मालिकों ने काफी निराशा जताई है। जब गुलाबो सिताबो को तीसरे पर्दे पर उतारा गया था तब भी सिनेमाघरों के मालिकों ने नाराजगी जताई थी। इसी बीच अब सिनेमावालों ने अपना गुस्सा जाहिर करते हुए सिनेमा चेन पीवीआर और आईनॉक्स ने इस साल दिवाली पर अक्षय कुमार की सुर्यवंशी और क्रिसमस पर रणवीर सिंह की 83 फिल्म को रिलीज करने की घोषणा की है। हालांकि सिनेमाघरों को दोबारा खोले जाने को लेकर सरकार ने अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। लेकिन ये कहां जा रहा है कि अनलॉक के तीसरे चरण में सिनेमाघरों को खोले जाने की संभावना है। पहले अमेजन, नेटफिल्क्स और अब डिजनी प्लस हॉटस्टार पर बॉलीवुड की बड़ी फिल्में रिलीज होने से सिनेमाघर के मालिक काफी नाराज है। कार्निवल सिनेमा के सीईओ मोहन उपरोटकर के मुताबिक पहले भी तीसरे पर्दे पर बॉलीवुड की फिल्मों को रिलीज करने पर नाराजगी जताई थी और अब भी हम इस बात पर कायम है। उन्होंने कहा कि सिनेमाघरों को खुलनें मे थोड़े ही दिन बाकी है और इस बीच फिल्म निर्माताओं को तीसरे पर्दे पर फिल्मों को रिलिज करने पर थोड़ा सब्र करना चाहिए था। बता दें कि मॉल्स खोले जा चुके है और जल्द ही सिनेमा भी खोले जाएंगे। वेव सिनेमा के वाइस प्रेजीडेंट योगेश रायजादा के मुताबिक फिल्म का तीसरे पर्दे पर रिलीज होना काफी निराशा की बात है। उनके मुताबिक जिस वक्त सिनेमा खुल जाएंगे, इस वक्त ये बड़ी फिल्में दोबारा बड़े पर्दों पर वापसी कर सकती है। फिल्म ट्रेड एनलिस्ट गिरिश जौहर के अनुसार लक्ष्मी बॉम और भुज जैसी बड़ी फिल्में बड़ी पर्दों के बजाय तीसरे पर्दे पर रिलीज होने से सिनेमाघरों को काफी नुकसान हो सकता है।

एक्ट्रेस अदिति राव हैदरी ने फिल्म सूफीयम सुजातयुम को लेकर किए कई अहम खुलासे

नईदिल्ली।

अमेजन प्राइम वीडियो की आगामी म्यूजिकल रोमांटिक ड्रामा फिल्म सूफीयम सुजातयुम की रिलीज तारीख करीब आने के बाद से ही दर्शकों का उत्साह अपने चरम पर है। ट्रेलर में दर्शकों को अवशोषित संगीतमय सफर की एक झलक साझा की गई है जिसमें अभिनेता जयसूर्या और अदिति राव हैदरी अहम भूमिका निभा रही है। फिल्म में अपने किरदार के लिए हामी भरने के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री अदिति राव हैदरी ने दर्शकों से कहा कि जब मैंने` कहानी सुनी, तो मुझे बेहद पसंद आई। कहानी सुनी, तो मुझे बेहद पसंद आई। अगर मुझे किसी किरदार के भावनात्मक सफर के साथ न्याय करने के बारे में थोड़ा डर होता है, तो मैं उस फिल्म के लिए हामी भर देती हूं। इस कहानी की मासूमियत और पवित्रता ने मुझे अपनी तरफ आकर्षित कर लिया था। दर्शकों को फिल्म के दो खूबसूरत गानों से भी रूबरू कराया गया है जिन्होंने दर्शकों के दिलों को जीतते हुए उन्हें फिल्म के प्रति अधिक प्रत्याशित कर दिया है।

वाथिक्कलु वेल्लारिप्रवु और अल्हम्दुलिल्लाह नामक दोनों गानों ने श्रोताओं को पूरी तरह से स्तबद और मंत्रमुग्ध कर दिया है। नारानीपुझा शनावास द्वारा निर्देशित व लिखित, सूफीयम सुजातयुम का निर्माण विजय बाबू ने फ्राइडे फिल्म हाउस के अपने बैनर के तहत किया है।

फिल्म को सिनेमेटोग्राफर अनु मोठेदथ ने शूट किया है और दीपू जोसेफ ने एडिट किया है। सूफीयम सुजातयुम को कार्यकारी निर्माता विनय बाबू द्वारा एक साथ लाया गया है और इस 3 जुलाई को ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज किया जाएगा।

एक्ट्रेस ईशा देओल जग जननी माँ वैष्णो देवी शो में निभाएंगी परिधि शर्मा की मां का किरदार

मुंबई।

जग जननी मां वैष्णो देवी -कहानी माता रानी की के स्टार-स्टडेड स्टार्स के साथ शूटिंग जल्द ही शुरू होने वाली है। दर्शक अपने पसंदीदा शो के वापस आने की खबर सुनकर जितना उत्सुक थे उतना ही एक्ट्रेस पूजा बनर्जी के अचानक इस शो को छोड़ने से निराश भी थे। वहीं मेकर्स ने बड़ी गहन रिसर्च के बाद मां वैष्णो देवी की भूमिका निभाने के लिए फाइनल नाम का चयन कर लिया है जो हैं एक्ट्रेस परिधि शर्मा, जिन्होंने इससे पहले भी अन्य शोज में अपने कई बेहतरीन किरदारों से दर्शकों के मन को मोह लिया था। मां वैष्णो देवी की भूमिका निभाने के लिए कई नाम शामिल किए गए थे, जिसमें रुबीना दिलायक, तेजस्वी प्रकाश, श्रेनु पारिख, नियाती फतनानी, मीरा देओस्थाले आदि नाम शामिल थे। आपको बता दें कि कुछ महीने पहले तोरल रासपुत्रा मां वैष्णो देवी की मां का किरदार निभा रही थीं, उन्होंने ने भी अपना किरदार छोड़ दिया था। अच्छी खबर यह है कि अब इस किरदार के लिए एक मुख्य नाम सामने आया है। सूत्रों के अनुसार वैष्णो देवी की मां की भूमिका एक्ट्रेस ईशा देओल निभाने वाली हैं। आपको बता दें कि ईशा देओल कुछ साल पहले एक रियलिटी शो का भी हिस्सा थीं। वह कई सालों के बाद एक टेलीविजन शो के लिए वापसी कर रही हैं। हम नहीं जानते कि उपरोक्त कहानी कितनी सच है, लेकिन यह शो में एक नया आकर्षण ज़रूर लाएगा जब हम इस टैलेंटेड एक्ट्रेस को वापस एक्शन में देखेंगे।

अक्षय कुमार की सूर्यवंशी का हिस्सा करण जौहर, फिल्म से नाम हटाए जाने की खबरें हैं महज अफवाहो

मुंबई।

बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद से इंडस्ट्री में नेपोटिज्म का मामला गर्मा गया है। सुशांत के सुसाइड के बाद से ही फिल्ममेकर करण जौहर को लगातार सोशल मीडिया पर टार्गेट किया जा रहा है। करण के इन विवादों में घिरने के बाद खबरें आईं कि उनका नाम रोहित शेट्टी की फिल्म सूर्यवंशी से हटा दिया गया है। वहीं अब रिलायंस एंटरटेनमेंट ने इन खबरों को गलत बताया है। फिल्म क्रिटिक तरण आदर्श ने एक ट्वीट कर इस बात की जानकारी दी है। फिल्म क्रिटिक तरण आदर्श ने ट्वीट कर लिखा- आवश्यक.. खबरें जिनमें बताया जा रहा है कि करण जौहर सूर्यवंशी का हिस्सा नहीं हैं गलत हैं। इसकी सफाई रिलायंस एंटरटेनमेंट ने दी है। करण जौहर कई सालों से मामी फिल्मफेस्टिवल के बोर्ड मेंबर रहे हैं। मगर विवादों में आने के बाद उन्होंने इसकी डायरेक्टर स्मृति किरण को इस्तीफा मेल किया है। खबरें हैं कि फेस्टिवल की चेयर पर्सन और दीपिका पादुकोण ने करण को मनाने की पूरी कोशिश की थी लेकिन वे नहीं मानें। करण जौहर का चैट शो कॉफी विद करण भी बंद होने वाला है। की एक रिपोर्ट के मुताबिक स्टार वर्ल्ड चैनल अब कॉफी विद करण को भारत में बंद करने की प्लानिंग कर रहा है। पहले प्लानिंग थी कि इस चैट शो को किसी और चैनल पर ट्रांसफर कर दिया । जाएगा लेकिन सुशांत की मौत के बाद करण के इस शो को लेकर उठे विवाद के बाद अब मेकर्स ने इस पूरी तरह से बंद करने का फैसला किया

फिल्म लॉ की अभिनेत्री रागिनी चंद्रन ने हामी की वजह

नई दिल्ली।

अमेजन प्राइम वीडियो पर जल्द कन्नड़ फिल्म लॉ को रिलीज किया जाएगा, जिसका प्रीमियर 17 जुलाई को होगा। फिल्म एक दिलचस्प क्राइम-थ्रिलर है जो न्याय के लिए खड़े होने वाली नंदिनी की कहानी के इर्द-गिर्द घूमती हुई नजर आएगी। रागिनी ने लॉ को अपनी पहली फिल्म के रूप में चयन करने के बारे में बात करते हुए साझा किया, इसका श्रेय निश्चित रूप से स्क्रिप्ट को जाता है क्योंकि फिल्में करना कुछ ऐसा है जिसकी मैं योजना नहीं बना रही थी, यह निश्चित रूप से मेरी पाइपलाइन में नहीं था। लेकिन स्क्रिप्ट ने मुझे आकर्षित कर लिया, खासकर जब हमारे निर्देशक श्री रघु समर्थ आगे आए और स्क्रिप्ट सुनाई। अभिनेत्री ने आगे कहा, उन्होंने मुझे किरदार के बैकग्राउंड और उसके चारों ओर घूमने वाली पूरी कहानी के बारे में बताया, जो एक बहुत मजबूत और प्रभावशाली प्लॉट था। मैं अपनी डेब्यू फिल्म के रूप में एक रोमांटिक फिल्म का हिस्सा नहीं बनना चाहती थी। इसलिए मैंने सोचा कि मेरी डेब्यू फिल्म के लिए यह पहली पसंद होगी। लॉ का निर्माण अश्विनी पुनीत राजकुमार व एम गोविंदा ने किया है और रघु समर्थ द्वारा निर्देशित है। कानूनी कन्नड़ नाटक का नेतृत्व रागिनी प्रजवाल ने किया है जो मुख्य अभिनेत्री के रूप में अपना डेब्यू कर रहीं है और मुख्यमंत्री चंद्रू, अच्युत कुमार, सुधरानी जैसे कलाकार भी नज़र आएंगे। इस फिल्म में सिरी प्रह्लाद और दिग्गज अभिनेता मुख्यमंत्री चंद्रू भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। लॉ डिजिटल प्लेटफार्म पर रिलीज होने वाली सैंडलवुड इंडस्ट्री की पहली फिल्म है। पुनीत राजकुमार की पीआरके प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित, यह फिल्म 17 जुलाई, 2020 को दुनिया भर के 200 से अधिक देशों और क्षेत्रों में अमेजन प्राइम वीडियो पर विशेष रूप से लॉन्च की जाएगी।

सुशांत सिंह आत्महत्या मामलाः शेखर सुमन ने सीबीआई जांच की वकालत की

पटना।

मशहूर अभिनेता शेखर सुमन ने सुशांत सिंह राजपूत आत्महत्या मामले की सीबीआई जांच की पुरजोर वकालत की है। बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव के साथ पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के पटना के 10 सर्कुलर स्थित आवास पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए शेखर सुमन जिन्होंने जस्टिस फॉर सुशांत मुहिम की शुरूआत की है, ने इस बात की आशंका जताई कि दिवंगत बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत सामान्य बात नहीं है। उन्होंने कहा,''मैं दृढ़तापूर्वक मानता हूं कि सुशांत की मौत केवल आत्महत्या का एक मामला नहीं है।'' सुमन ने कहा कि जांच में ''लापता कड़ी'' यथा सुसाइड नोट का नहीं पाया जाना, सुशांत के घर की डुप्लिकेट चाभी का गायब होना तथा ''एक महीने में 50 बार'' सिम कार्ड का बदलना संदेह की ओर इशारा करता है। सुमन ने स्पष्ट किया कि वह इस बात पर जोर नहीं दे रहे हैं कि सुशांत की मृत्यु ''आत्महत्या का मामला नहीं'' हो और भले ही 34 वर्षीय मृतक अभिनेता ने अपनी जान ले ली हो, पर इसके लिए दोषी पाये जाने वालों को सजा मिलनी चाहिए। कई बॉलीवुड हस्तियों के फिल्मी जगत में ''भाई-भतीजावाद'' के आरोप के बारे में पूछे जाने पर सुमन ने हां में उत्तर दिया। उन्होंने कहा कि उनके और शाहरुख खान के अलावा, सुशांत ही ऐसे थे जिन्होंने टीवी कलाकार के रूप में शुरुआत की और उसके बाद बड़े पर्दे पर सफलता हासिल की। एक स्वाभिमानी व्यक्ति, जो दिग्गजों के अहंकार के आगे झुकने में विश्वास नहीं करता था, वह कई लोगों की आंखों में खटकने लगा होगा। हालांकि, उन्होंने किसी का नाम लेने से इंकार करते हुए कहा कि ऐसा करना गलत होगा जब तक कि मैं सबूत नहीं हासिल कर लेता और यही कारण है कि मैं सीबीआई जांच की मांग पर जोर दे रहा हूं। सुमन ने कहा कि सुशांत और हमारे बीच खून का रिश्ता नहीं पर एक ही मिट्टी (बिहार) में पैदा हुए हैं। उन्होंने कहा कि इस घटना के बाद उन्हें लगा कि उन्हें पटना आना चाहिए जिसके बाद वो पटना आये और दिवंगत अभिनेता के परिजनों से मुलाकात की। सुमन ने कहा कि वे इसको लेकर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से भी मुलाकात करने के लिए उनसे संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन कोरोना संक्रमण की वजह से मुख्यमंत्री ने मिलने से इनकार कर दिया जिसके के बाद उन्होंने नेता प्रतिपक्ष से वक्त मांगा और उन्होंने उन्हें तुरंत बुला लिया। तेजस्वी जो कि राजगीर में बन रही फिल्म सिटी का नाम सुशांत के नाम पर रखे जाने की पूर्व में वकालत कर चुके हैं, ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को सुशांत के परिजनों से जाकर मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री के रूप में, वह न केवल अपनी पार्टी या सरकार के बल्कि बिहार के सभी निवासियों के नेता हैं। उन्होंने कहा कि नीतीश सरकार इस बात की पहल करें कि पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच हो और सच्चाई देश के सामने आ सके।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना वायरस पर WHO का यू-टर्न, बता दी चीन की सच्चाई

जेनेवा (एजेंसी) ।

चीन से शुरू हुई कोरोना वायरस महामारी से दुनिया भर में एक करोड़ से अधिक लोग संक्रमण के शिकार हो चुके हैं। यह बीमारी चीन के वुहान से दिसंबर में फैलनी शुरू हुई थी। अमेरिका सहित दुनिया के कई देशों का आरोप है कि चीन द्वारा समय पर जानकारी न देने कारण सिर्फ 2 महीने में यह दुनियाभर में फैल गई। यह बीमारी कैसे फैली, अब यह पता लगाने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन की टीम अगले हफ्ते चीन जाएगी। इस बीच ड्ब्लाह ने यू-टर्न लेते हुए आखिर चीन का सच उगल दिया है। संगठन दावा किया है कि इस बीमारी के बारे में पहली जानकारी उसने ही दी थी, न कि चीन ने। चीन में स्थानीय ऑफिस वायरल निमोनिया के मामलों पर वुहान म्युनिसिपल हेल्थ कमीशन का बयान लेगा, इसके बाद यह जांच 6 महीने से अधिक समय तक चलेगी। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर महामारी रोकने के लिए जरूरी जानकारी देने में नाकाम रहने और चीन के प्रति नरम रुख अपनाने का आरोप लगा चुके हैं। हालांकि ड्ब्लाह ने ट्रंप के आरोपों को भी खारिज किया है लेकिन ट्रंप का आरोप है कि अगर चीन और गुमराह न करते तो दुनिया को कोरोना से इतना नुसान न झेलना पड़ता। महामारी को लेकर ने शुरुआती टाइमलाइन 9 अप्रैल को जारी की थी। इसमें उसने सिर्फ इतना कहा था कि हुबेई प्रांत के वुहान शहर के स्वास्थ्य आयोग ने 31 दिसंबर को निमोनिया के मामलों की जानकारी दी थी।

हालांकि, इसमें यह स्पष्ट नहीं किया गया था कि जानकारी किसी चीनी अधिकारी ने दी या कहीं और से पता चली। निदेशक टेड्रॉस ऐडहॉनम गेब्रिएसस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि चीन से पहली रिपोर्ट 20 अप्रैल को आई थी। उन्होंने कहा कि इसमें इस बात का जिक्र भी नहीं था कि यह रिपोर्ट चीन के अधिकारियों ने भेजी है या किसी अन्य स्त्रोतों की ओर से, लेकिन ने इस हफ्ते एक नई क्रोनोलॉजी जारी की है, जिसमें इन घटनाओं के बारे में विस्तार से बताया गया है। इसमें यह संकेत दिया गया है कि चीन में स्थित डब्ल्यूएचओ के कार्यालय ने 31 दिसंबर को 'वायरल निमोनिया' के बारे में सूचना दी थी। बता दें कि र दुनिया भर में इसके संक्रमितों की संख्या 1.10 करोड़ से अधिक हो गई तथा संक्रमण से मरने वालों की संख्या 5.24 लाख के पार हो गयी है।

अमेरिकी अदालत ने आरोपी राणा की हिरासत जारी रखने का दिया आदेश

लॉस एंजिलिस (एजेंसी)।

26/11 मुंबई आंतकी हमले की सुनवाई करते हुए अमेरिका की एक अदालत ने हमले के मास्टरमाइंड पाकिस्तानी मूल के कनाडाई कारोबारी तहव्वुर राणा की हिरासत जारी रखने का आदेश दिया है। भारत ने 2008 के मुंबई आतंकवादी हमला मामले में उसकी संलिप्तता के लिए एक भगोड़ा घोषित किया है। 59 साल के राणा को हाल में भारत के एक प्रत्यर्पण अनुरोध पर 10 जून को लॉस एंजिलिस में फिर से गिरफ्तार किया गया था। भारत ने राणा को 2008 मुंबई आतंकवादी हमले में उसकी संलिप्तता के लिए उसके प्रत्यर्पण का अनुरोध किया था. उक्त हमले में छह अमेरिकी नागरिकों सहित 166 लोग मारे गए थे. उसे भारत में एक भगोड़ा घोषित किया गया है। एक संघीय जिला अदालत ने बृहस्पतिवार को उसकी जमानत पर अगली सुनवाई की तिथि 21 अगस्त तय की। न्यायाधीश जैक्वीलिन चूलीजियान के समक्ष उसके प्रत्यर्पण मामले की सुनवाई में लॉस एंजिलिस की अमेरिकी जिला अदालत ने आदेश दिया कि तहव्वुर हुसैन राणा को 21 अगस्त को मामले की अगली सुनवाई तक अस्थायी तौर पर हिरासत में रखा जाए। अमेरिका ने राणा की जमानत का विरोध किया है। बता दें कि 26 नवंबर 2008 को आतंकियों ने मुंबई के ताज होटल सहित 6 जगहों पर हमला कर दिया था। हमले में करीब 160

लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। सबसे ज्यादा लोग छत्रपति शिवाजी टर्मिनस में मारे गए जबकि ताजमहल होटल में 31 लोगों को आतंकियों ने अपना शिकार बनाया।

जापान में भारी बारिश और बाढ़ से तबाही, कई लोग लापता

टोक्यो (एजेंसी)।

दक्षिणी जापान में भारी बारिश से शनिवार को बाढ़ आने के साथ भारी तबाही मच गई। कई इलाकों में भूस्खलन हुआ, जिससे कई लोग लापता हो गए और अनेक लोग खुद को सुरक्षित निकाले जाने की प्रतीक्षा में घर की छतों पर खड़े नजर आए। रात भर मूसलाधार बारिश होने के बाद कुमामोतो और कागोशीमा के दक्षिणी प्रांतों में 75,000 से ज्यादा निवासियों को इलाका खाली करने को कहा गया। एक टीवी चैनल पर दिखाई गई फुटेज में कुमा नदी से निकल रहे मटमैले पानी में कुमामोतो के हितोयोशी के बड़े हिस्से जलमग्न दिख रहे हैं। कई गाड़ियां आधे से ज्यादा डूब गईं। घरों में कीचड़ घुस गया और बाढ़ के पानी में उखड़े हुए पेड़ों के तने नजर आ रहे थे। कई लोग दुकानों की छत पर खुद को सुरक्षित निकाले जाने की प्रतीक्षा में खड़े दिखे। एनएचके ने कहा कि करीब 13 लोग लापता हैं। कुमामोतो के अधिकारियों ने कहा कि वे नुकसान का आकलन कर रहे हैं। प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने कार्यबल का गठन किया है और लापता लोगों को सुरक्षित निकालने की प्रतिबद्धता जताई है। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने पूर्व में कुमामोतो के कई हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की थी लेकिन बाद में इस चेतावनी का स्तर कम किया। कुमामोतो के गवर्नर इकुओ काबाशीमा ने कहा कि उन्होंने 'जापान सेल्फ डिफेंस' बलों से मदद का आग्रह किया है।

पाक विदेश मंत्री ने चीन के एफएम से की कश्मीर-अफगान मुद्दे पर बातचीत

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने चीन के विदेश मंत्री वांग यी से द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने पर चर्चा की, साथ ही कश्मीर मुद्दे और अफगानिस्तान में हालात पर भी बातचीत की। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने कहा कि दोनों नेताओं के बीच टेलीफोन पर हुई बातचीत में कुरैशी ने कहा कि क्षेत्रीय सुरक्षा की स्थिति बिगड़ रही है और भारत का ''आक्रामक रुख'' क्षेत्र की शांति को संकट में डाल रहा है। कुरैशी ने कहा,'' भारतीय उकसावों पर पाकिस्तान संयम बरत रहा है।''

उन्होंने भारत पर नियंत्रण रेखा पर संघर्षविराम के उल्लंघन का भी आरोप लगाया।

बयान में कहा गया कि कुरैशी ने पाकिस्तान और चीन को 'सदाबहार रणनीतिक सहयोगात्मक साझेदार'बताया और कहा कि क्षेत्र में विवाद बताया और कहा कि क्षेत्र में विवाद को शांतिपूर्ण ढंग से और सहमति के साथ निपटाया जाना चाहिए न कि ''एकपक्षीय, अवैध और बलप्रयोग'' के जरिए।

संक्षिप्त समाचार

जूनियर ट्रंप की गर्लफैंड भी कोरोना की चपेट में, राष्ट्रपति डोनाल्ड का संभालती हैं विशेष कामकाज

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बड़े बेटे की गर्लफ्रैंड भी कोरोना वायरस की शिकार बन गई हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डोनाल्ड ट्रंप जूनियर को डेट कर रही एक पूर्व फॉक्स न्यूज टेलीविजन शख्सियत, किंबरली गुइलफॉय (51) ने माउंट रशमोर में अमेरिकी राष्ट्रपति के चौथे भाषण और जश्न की आतिशबाजी का जायजा लेने के लिए दक्षिण डकोटा की यात्रा की थी। गुइलफॉय ट्रंप कैपेन की एक शीर्ष अधिकारी हैं। गुइलफॉय, राष्ट्रपति के सीधे संपर्क में न आ जाए इसलिए उन्हें तुरंत आइसोलेट कर दिया गया। बताया गया कि गुइलफॉय को पॉजिटिव होने की पुष्टि एक रूटीन टेस्ट में हुई। एक बयान में, ट्रंप अभियान की वित्त समिति के कर्मचारियों के प्रमुख सर्जियो गोर ने कहा, वह अच्छा कर रही हैं, और एक बार दोबारा टेस्ट कराया जाएगा, क्योंकि उन्हें कोरोना के कोई लक्षण नहीं हैं। जब तक वह आइसोलेट हैं और काम से भी दूर रहेंगी। उन्होंने कहा कि एहतियात के तौर पर (वह) आने वाली सभी प्रोग्राम को रद्द कर देंगी। वहीं, उन्होंने बताया कि गर्लफ्रेंड के पॉजिटिव आने के बाद डोनाल्ड ट्रंप जूनियर का भी टेस्ट हुआ, जिसमें वे नेगेटिव आए हैं, लेकिन एहतियात के रूप में वो भी सेल्फ-आइसोलेट हैं और सभी सार्वजनिक कार्यक्रमों को रद्द कर रहे हैं। बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति के करीब गुइलफॉय तीसरी ऐसी शख्स हैं, जिन्हें पॉजिटिव आया है। अन्य लोगों में ट्रंप के निजी सेवक और अमेरिकी उपराष्ट्रपति के प्रेस सचिव शामिल हैं। शीर्ष संक्रामक रोग विशेषज्ञ एंथोनी फौसी ने कहा है कि कोरोना वायरस से अमेरिका भारी खतरे से जूझ रहा है। अमेरिका, जहां वर्तमान में दुनिया में कोरोना वायरस मामलों और मौतों की सबसे अधिक संख्या है, वहां 50 राज्यों में से 40 में अचानक वृद्धि के बीच लगातार तीसरे दिन 50,000 से अधिक नए संक्रमण मामले दर्ज किए हैं।

पाकिस्तान ट्रेन हादसा: मृतकों की संख्या बढ़कर हुई 22

पेशावर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के शेखूपुरा के पास श्रद्धालुओं से भरी एक वैन के ट्रेन से टकरा जाने के कारण मरने वालों की संख्या बढ़कर 22 हो गई है। रेलवे के प्रवक्ता कुरातुल आइन ने शुक्रवार रात यह जानकारी दी। उन्होंने मीडिया को बताया कि इस दुर्घटना में घायल हुए तीन लोगों की उपचार के दौरान मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़ गयी है। उन्होंने बताया कि हताहतों में कई बच्चे तथा महिलाएं शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि शाह हुसैन एक्सप्रेस ट्रेन शुक्रवार को दक्षिणी बंदरगाह शहर कराची से लाहौर की ओर जा रही थी। इसी दौरान पूर्वी पंजाब प्रांत के शेखूपुरा में फरुकाबाद और बहाली वाला के बीच रेलवे क्रॉसिंग पर वैन को टक्कर मार दी। पुलिस के मुताबिक यह दुर्घटना वैन चालक की लापरवाही की वजह से घटित हुई। वह ट्रेन को देखे बिना जल्दबाजी में रेलवे क्रॉसिंग को पार करने की कोशिश कर रहा था। मृतकों में ज्यादातर सिख तीर्थ यात्री थे और घटना के समय नानकना साहिब लौट रहे थे। पुलिस अधिकारी गाजी सलाहुद्दीन ने बताया कि मृतक पश्चिमोत्तर शहर पेशावर के निवासी और चार परिवारों से संबंधित थे।

पुतिन ने 2036 तक सत्ता में बने रहने के संविधान संशोधन पर हस्ताक्षर किए

मास्को (एजेंसी)।

रूस में संविधान संशोधनों को लागू करने के लिए करवाए गए मतदान में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की जीत ने साबित कर दिया कि वे अगले 2 और कार्यकाल के लिए सत्ता पर काबिज रहेंगे। पुतिन ने शुक्रवार को खुद को वर्ष 2036 तक सत्ता में बरकरार रखने की अनुमति वाले संविधान संशोधनों को लागू करने के लिए आदेश पर हस्ताक्षर किए। एक सप्ताह लंबे चले जनमत संग्रह के दौरान मतदाताओं द्वारा बदलावों को मंजूरी दिए जाने के बाद यह आदेश दिए गए हैं। संविधान संशोधन के एक आदेश पर हस्ताक्षर करने के बाद पुतिन ने कहा, संशोधन लागू होते हैं। वे लागू किए बिना ही लोगों की इच्छा से ही प्रभावी हो जाते हैं। संशोधन का मसौदा तैयार करने वाले सांसदों से वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान पुतिन ने कहा, बतौर एक देश, यह महत्वपूर्ण निर्णय हमने मिलकर लिया है। रूस की सरकार की ओर से जारी आदेश की प्रति के मुताबिक, संशोधन शनिवार से प्रभावी होंगे। इन बदलावों के साथ ही पुतिन को वर्तमान कार्यकाल के बाद भी छह वर्ष के दो कार्यकाल के लिए अनुमति मिल जाएगी। उनका वर्तमान कार्यकाल 2024 में समाप्त होगा। संशोधन के मुताबिक, समान-लिंग विवाह को भी अस्वीकार किया गया है। साथ ही यह अंतरराष्ट्रीय नियमों पर रूसी कानून की प्रधानता पर जोर देता है। पुतिन ने जनवरी में संविधान संशोधन का प्रस्ताव किया था। उन्होंने आगे भी अपने पद पर बरकरार रहने और अन्य मामलों को लेकर देशभर में जनमत संग्रह का आह्वान किया था। हालांकि, रूस की संसद में बदलावों पर मुहर लगने के बाद कानूनी रूप से जनमत संग्रह की कोई आवश्यकता नहीं थी। शुरुआत में जनमत संग्रह के लिए 22 अप्रैल की तरीख तय की गई थी लेकिन कोरोना वायरस

महामारी के कारण इसे स्थगित करना पड़ा था। इसके बाद मतदाताओं पर दबाव और अन्य अनियमित्ताओं के आरोपों के बीच बुधवार को मतदान पूरा हुआ था। क्रेमलिन आलोचकों ने परिणामों की निंदा की थी। हालांकि, केंद्रीय चुनाव आयोग ने शुक्रवार को इन आरोपों को खारिज कर दिया।

भारत का विरोध कर फंसे नेपाल के प्रधानमंत्री ओली; स्थाई समिति की बैठक रद्द, पाक-चीन बेचैन

इंटरनेशनल डेस्क (एजेंसी)।

चीन की शह पर नेपाल के प्रधानमंत्री के.पी. ओली भारत के खिलाफ बयानबाजी के बाद बुरी तरह फंस गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार ओली के इस्तीफे को लेकर होने वाली स्थाई समिति की बैठक रद्द कर दी गई है। नक्शा विवाद सहित कई अन्य भारत विरोधी कार्रवाइयों के कारण ओली को अपने ही देश में बगावत का सामाना करना पड़ रहा है जिस कारण उनकी कुर्सी खतरे में नजर आ रही है। भारत के खिलाफ नेपाल को मोहरा बना रहे चीन और पाकिस्तान ओली को राजनीतिक संकट में देख कर बेचैन है और उसे बचाने के लिए पूरा जोर लगा रहे हैं। नेपाल की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी में ज्यादातर लोग इस वक्त ओली के खिलाफ हैं। भारत विरोधी टिप्पणी करने को लेकर प्रधानमंत्री पद से ओली के इस्तीफे की बढ़ती मांग के मद्देनजर शनिवार को स्थायी समिति की अहम बैठक रखी गई थी जिसे फिलहाल स्थगित कर दिया गया है । आधिकारिक घोषणा के मुताबिक बैठक सोमवार तक के लिए स्थगित हुई है। प्रधानमंत्री के प्रेस सलाहकार सूर्य थापा ने बताया कि लंबित मुद्दों पर सहमति बनाने के लिए नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एनसीपी) के शीर्ष नेताओं को और वक्त की जरूरत है, इसलिए बैठक सोमवार तक के लिए स्थगित की गई है। पार्टी की स्टेंडिंग कमिटी के 44 में से 30 लोगों ने ओली से इस्तीफा देने को कहा है। ऐसे में अब अपनी कुर्सी बचाए रखने के लिए ओली नया दांव चलने की तैयारी में हैं। ओली अब अपनी ही पार्टी को तोड़ने और विपक्षी पार्टी का साथ लेकर सरकार में बने रहने का प्लान बना रहे हैं और इसमें चीन और पाकिस्तान उन्हें खुला समर्थन दे रहे हैं। यह सब आसानी से हो पाए इसके लिए वह कुछ नियमों में बदलाव करने की तैयारी में हैं। बजट सत्र को स्थगित करने के बाद अब केपी ओली एक अध्यादेश लाकर पार्टी को तोड़ सकते हैं।

इकनॉमिक टाइम्स के मुताबिक ओली वहां मुख्य विपक्षी पार्टी नेपाली कांग्रेस के संपर्क में हैं, जिनसे उन्हें समर्थन मिल सके। दरअसल, ओली अध्यादेश लाकर पॉलिटिकल पार्टीज एक्ट में बदलाव कर सकते हैं। इससे उन्हें पार्टी को बांटने में आसानी होगी। यह सब चीन और पाकिस्तान के समर्थन से हो रहा है। नक्शे पर विवाद के बीच ओली भारत के खिलाफ बयानबाजी कर रहे हैं। इसके बाद ही पाकिस्तानी पीएम इमरान खान ने ओली से संपर्क साधा था। दूसरी तरफ नेपाल में मौजूद चीनी राजदूत भी इसकी कोशिशों में लगे हैं कि ओली को सत्ता में बनाए रखा जा सके। हाल में ओली द्वारा उठाए गए कुछ कदमों के पीछे चीनी राजदूत का रोल अहम बताया जाता है। पार्टी की स्टेंडिंग कमेटी के 44 में से 30 लोगों द्वारा ओली से इस्तीफा मांगने के बाद ओली को अपनी स्थिति मजबूत करने का वक्त मिलेगा और जबतक उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव भी नहीं लाया जा सकेगा और जरूरत पड़ने पर वह पार्टी को बांट भी सकेंगे।

पाक विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी कोरोना पॉजिटिव, खुद को किया क्वारंटाइन

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। इसकी जानकारी उन्होंने खुद दी। कोरोना संक्रमित पाए जाने के बाद उन्होंने खुद को क्वारंटीन कर लिया है। पाकिस्तान में कई वरिष्ठ राजनेता कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के नेता ने ट्विटर पर कहा कि आज दोपहर को उन्हें हल्का बुखार महसूस हुआ और उन्होंने खुद को घर में क्वारंटीन कर लिया है। कुरैशी ने ट्वीट, मुझे कोरोना हुआ है। अल्लाह की कृपा से मैं मजबूत और ऊर्जावान महसूस कर रहा हूं। मैं घर से अपना काम करना जारी रखूंगा। कुरैशी वायरस से संक्रमित होने वाले सरकार के सबसे वरिष्ठ नेता हैं। वह सत्तारूढ़ पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के उपाध्यक्ष हैं और प्रधानमंत्री इमरान खान के बाद सरकार में नंबर दो माने जाते हैं। कई पाकिस्तानी सांसदों भी कोरोना पॉजिटिव पाए गए और उनमें से कुछ की मृत्यु भी हुई है। खैबर पखुनख्वा विधानसभा के आठ सदस्य कोरोनोवायरस से संक्रमित हो गए हैं। नेशनल असेंबली के स्पीकर असद क़ैसर भी संक्रमित थे, लेकिन ठीक हो गए। इस बीच, पाकिस्तान के कोरोनावायरस वायरस ने 4,500 से अधिक मौतों के साथ 221,000 का आंकड़ा पार कर लिया है।

अमेरिका में प्लेन क्रैश, सवार सभी लोगों की मौत

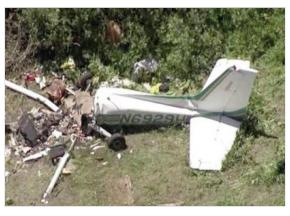

वाशिंगटन। अमेरिका में उटाह प्रांत के फोर्क कैंयोन पर्वतीय क्षेत्र में एक छोटे विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से चार लोगों की मौत हो गई। समाचार वेबसाइट एबीसी4डॉटकॉम की रिपोर्ट के अनुसार एसजीटी स्पेंसर कैन्नन नाम का यह विमान स्थानीय समय के अनुसार शुक्रवार सुबह आठ बजे बॉक्स एडर पार्क क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दुर्घटना में विमान में सवार सभी चार लोगों की मौत हो गयी। इस घटना की सूचना मिलने के बाद राहत एवं बचावकर्मियों की टीम मौके पर पहुंची और मलबा हटाने के काम में जुट गयी। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

अमेरिका में दूसरा कुत्ता कोरोना वायरस से संक्रमित, दे दी मौत

लॉस एंजलिस। अमेरिका के जॉर्जिया राज्य में एक कुत्ता कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया है। माना जा रहा है कि इस संक्रामक रोग की चपेट में आया यह अमेरिका में दूसरा कुत्ता है। जॉर्जिया के स्वास्थ्य विभाग ने बुधवार को जारी एक समाचार विज्ञप्ति में कहा कि 6 साल का मिश्रित नस्ल का कुत्ता कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया। इससे पहले उसके मालिक संक्रमित पाए गए थे और फिर कुत्ते को तंत्रिका संबंधी बीमारी होने का पता चला। बाद में वह संक्रमित पाया गया। कुत्ते की बीमारी बढ़ने के बाद उसे मौत दे दी गई। अधिकारियों ने बताया कि कुत्ते की तंत्रिका संबंधी बीमारी का कोविड-19 से कुछ लेना देना नहीं है।

भारत में टिकटॉक बैन होने से 6 अरब डॉलर का नुकसानः रिपोर्ट

बीजिंग। वीडियो सोशल मीडिया ऐप टिकटॉक पर मालिकाना हक रखने वाली चीन की बाइटडांस लिमिटेड को भारत में उसके तीन ऐप पर रोक लगाये जाने से छह अरब डॉलर से अधिक का नुकसान होने का अनुमान है। कंपनी की दो अन्य ऐप वीगो वीडियो और हेलो हैं। गौरतलब है कि भारत सरकार ने सोमवार को चीन की कुल 59 ऐप पर रोक लगा दी थी। इसमें टिकटॉक, वीगो वीडियो, हेलो, यूसी ब्राउजर, यूसी न्यूज, वीचैट और शेयरचैट जैसी चर्चित ऐप शामिल हैं। भारत सरकार ने देश की संप्रभुता और अखंडता और डेटा सुरक्षा को खतरा बताते हुए इन ऐप को बंद किया। लेकिन सरकार के इस निर्णय को 15 जून को लद्दाख की गलवान घाटी में भारत-चीन के बीच हुए हिंसक संघर्ष से जोड़कर देखा जा रहा है। इस संघर्ष में भारतीय सेना के 20 जवान शहीद हो गए थे। चीन के काईशिन ग्लोबल डॉट कॉम ने बाइटडांस के एक वरिष्ठ प्रबंधकीय अधिकारी के हवाले से खबर दी है कि छह अरब डॉलर का यह नुकसान भारत द्वारा प्रतिबंधित अन्य चीनी ऐप के कुल नुकसान से अधिक होने की संभावना है। बाइटडांस चीन की उभरती प्रौद्योगिकी कंपनी है।

चीन के साथ पूर्वी लद्दाख में गतिरोध पर जापान ने किया भारत का समर्थन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ सीमा पर गतिरोध पर भारत का पुरजोर समर्थन करते हुए जापान ने शुक्रवार को कहा कि वह क्षेत्र में यथास्थिति बदलने की ''किसी भी एकतरफा कोशिश के खिलाफ है। विदेश सचिव हर्षवर्द्धन श्रृंगला से मुलाकात के बाद जापानी राजदूत सतोशी सुजुकी ने कहा कि जापान इस विवाद का वार्ता के जरिए शांतिपूर्ण समाधान की उम्मीद करता है । उन्होंने ट्विटर पर कहा, ''विदेश सचिव श्रृंगला के साथ अच्छी बातचीत हुई। शांतिपूर्ण समाधान करने की भारत सरकार की नीति सहित वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर स्थिति से उनके द्वारा अवगत कराये जाने की सराहना करता हूं। जापान भी वार्ता के जरिये शांतिपूर्ण समाधान की उम्मीद करता है। जापान यथास्थिति बदलने की किसी भी एकतरफा कोशिश के खिलाफ है। पिछले सात हफ्तों से पूर्वी लद्दाख में कई स्थानों पर भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच गतिरोध कायम है। गलवान घाटी में 15 जून को दोनों देशों के सैनिकों के बीच हुई एक हिंसक झड़प में 20 भारतीय सैनिकों के शहीद होने के बाद तनाव कई गुना बढ़ा गया है। हालांकि, इस झड़प में चीनी सैनिक भी हताहत हुए हैं लेकिन चीन ने इस बारे में अभी तक कोई विवरण नहीं दिया है। भारत क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता बहाल करने के लिये पूर्वी लद्दाख के सभी इलाकों में पहले की यथास्थिति बहाल करने पर जोर दे रहा है। माना जा रहा है ।

बैठक में श्रृंगला ने जापानी राजदूत को पूर्वी लद्दाख की संपूर्ण वस्तुस्थिति से और इस मुद्दे पर भारत के रुख से भी अवगत कराया। इस बीच, भारत ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह उम्मीद करता है कि चीन संबद्ध द्विपक्षीय समझौतों के प्रावधानों के अनुरूप सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति एवं स्थिरता शीघ्र बहाल करना सुनिश्चित करेगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चीनी घुसपैठ को लेकर मोदी को राजधर्म का पालन करना चाहिएः कपिल सिब्बल

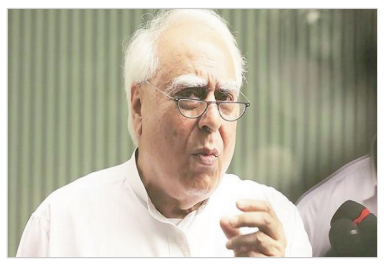

नई दिल्ली(एजेंसी)।

कांग्रेस ने लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीन के साथ चल रहे गतिरोध की पृष्ठभूमि में शनिवर को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस मामले में देश को वास्तविकता बतानी चाहिए और चीनी सैनिकों के कब्जे से भारतीय सरजमीं को मुक्त कराने के लिए राजधर्म का पालन करना चाहिए। पार्टी के वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार को लद्दाख में जिस स्थान पर गए थे वह कोई अग्रिम मोर्चा नहीं है, बल्कि एलएसी से 230 किलोमीटर दूर है। उन्होंने वीडियो लिंक के माध्यम से संवाददाताओं से कहा, नरेंद्र मोदी जी प्रधानमंत्री बनने से पहले अक्सर कहते थे कि हम चीन को लाल आंख दिखाएं। लेकिन अब चीन का नाम नहीं ले रहे। कांग्रेस नेता ने लद्दाख के गतिरोध वाले क्षेत्र की उपग्रह से ली गई एक हालिया तस्वीर जारी की, जो एक ब्रिटिश अखबार ने प्रकाशित की है। सिब्बल ने इस तस्वीर का हवाला देते हुए दावा किया कि चीन की सेना ने भारतीय क्षेत्र में कई निर्माण कार्य कर लिए हैं। उन्होंने सवाल किया, प्रधानमंत्री देश को बताएं कि क्या चीनी सैनिकों ने पेंगोंग सो इलाके में फिंगर चार तक कब्जा कर रखा है या नहीं? क्या यह वास्तविकता नहीं है? क्या वह इलाका हमारी मातृभूमि नहीं है? कांग्रेस नेता ने यह भी पूछा, क्या चीन ने उस स्थान पर कब्जा नहीं किया है जहां हमारे 20 जवान शहीद हुए थे? क्या चीन ने डेपसांग इलाके में वाई जंक्शन पर कब्जा नहीं कर रखा है? उन्होंने दावा किया कि 1971 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी गलवान घाटी गईं थीं। लेकिन मोदी जब लद्दाख गए तो सीमा से 230 किलोमीटर दूर गए। हमारे जवानों का मनोबल बढ़ाने के लिए उन्हें सीमा के नजदीक जाना चाहिए। सिब्बल ने पूछा, क्या यह सही नहीं कि लद्दाख में स्थानीय काउंसलर्स, जिनमें भाजपा के काउंसलर भी शामिल हैं, उन्होंने चीन द्वारा हमारी जमीन पर कब्जा करने के बारे में फरवरी, 2020 में प्रधानमंत्री मोदी को ज्ञापन भेजा था? प्रधानमंत्री ने उस पर क्या कार्रवाई की? अगर प्रधानमंत्री ने समय रहते कदम उठाया होता, तो क्या हम चीनियों के अतिक्रमण को पहले ही नहीं रोक देते? उन्होंने कहा, समय की मांग है कि भारत चीन की आंखों में आंखें डालकर स्पष्ट रूप से बता दे कि चीनियों को भारतीय सरजमीं पर अपने अवैध व दुस्साहसपूर्ण कब्जे को छोडना होगा। प्रधानमंत्री जी, यही एकमात्र राज धर्म है, जिसका पालन आपको हर कीमत पर करना चाहिए। गौरतलब है कि लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर पिछले कई हफ्तों से गतिरोध चल रहा है। गत 15-16 जून की रात दोनों देशों के सैनिकों के बीच हुई हिंसक झड़प में 20 भारतीय जवान शहीद हो गए थे। इस झड़प में चीनी पक्ष को भी नुकसान होने की खबरें हैं।

संक्षिप्त समाचार

कोविड-19 संकट से निपटने के लिए बंगाल सरकार ने अपनाई रणनीतिः ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि जून में राज्य में बेरोजगारी की दर 6.5 प्रतिशत रही है, जो देश की तुलना में कहीं बेहतर है। देश में बेरोजगारी की दर 11 प्रतिशत है। मुख्यमंत्री ने सेंटर फॉर मानिटरिंग इंडियन इकनॉमी (सीएमआईई) द्वारा जारी आंकड़ों का हवाला दिया। बनर्जी ने शनिवार को कहा कि इसकी वजह उनकी सरकार द्वारा कोविड-19 संकट और अम्फान चक्रवात से निपटाने के लिए अपनाई गई आर्थिक रणनीतिक है। बनर्जी ने ट्वीट किया कि हमने कोविड-19 संकट और अम्फान से हुए नुकसान से निपटने के लिए एक बेहतर आर्थिक रणनीति अपनाई। इसका प्रमाण बेरोजगारी दर के आंकड़ों से मिलता है। जून, 2020 में पश्चिम बंगाल की बेरोजगारी की दर 6.5 प्रतिशत रही, जबकि देश में यह 11 प्रतिशत रही। वहीं उत्तर प्रदेश में यह 9.6 प्रतिशत और हरियाणा में 33.6 प्रतिशत रही। सीएमआईई द्वारा बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार जून में देश में बेरोजगारी की दर घटकर 11 प्रतिशत रह गई, जबकि मई में यह 23.5 प्रतिशत थी। इसकी वजह लॉकडाउन अंकुशों में ढील के बाद आर्थिक गतिविधियां शुरू होना है।

शराब के नशे में चूर सब-इंस्पेक्टर ने महिला पर चढ़ा दी गाड़ी

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर इनदिनों एक दिल दहला देने वाला वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें शराब के नशे में चूर पुलिस कर्मी ने सड़क पर चल रही एक महिला को अपनी कार से रौंद दिया। यह घटना राजधानी दिल्ली के गाजीपुर इलाके के चिल्ला गांव की है। वीडियो में आप देख सकते हैं कि एक महिला को अचानक एक कार तेजी से आगे से टक्कर मारती हुई ज़मीन पर गिरा देती है। महिला के सड़क पर गिरते ही वहां मौजूद लोगों ने कार चालक को रोकने की कोशिश की, लेकिन वह कार के नीचे फंसी महिला को घसीटते हुए और कुचलकर मौके से फरार हो गया। घायल महिला का अस्पताल में इलाज चल रहा है। यह सारी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस का कहना है कि आरोपी एक सब-इंस्पेक्टर है। वह घटना के समय शराब के नशे में था। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

पेप्सी फैक्टरी के कर्मी सहित 8 लोग कोरोना पाजिटिव

साम्बा। साम्बा जिले में 8 और नए कोरोना पाजिटिव मामले पाए गए। इन नए मामलों के आने के साथ ही जिले में संक्रमितों का आंकड़ा 158 पहुंच गया है। शुक्रवार को पाजिटिव पाए गए सभी लोग पहले से ही कवारंटीन सेंटरों में रखे गए थे। आज आई लैब की टेस्ट रिपोर्ट्स के बाद ठंडी खुई में कवारंटीन किया गया विजयपुर के छन्नी (स्वांखा मोड़) का रहने वाला एक युवक भी पॉजिटिव पाया गया। यह युवक बड़ी-ब्राहमणा की एक कोल्ड ड्रिंक्स बनाने वाली बहुराष्ट्रीय कर्मी में काम करता है। गत दिनों इस फैक्टरी में कोरोना पाजिटिव पाए जाने के बाद इसमें उत्पादन फिलहाल बंद करवा दिया गया है और संपर्क में आए तमाम कामगारों को कवारंटीन किया गया है और इनके सेंपल भी लिए गए हैं। इस फैक्टरी के पाजिटिव पाए गए इस युवक बड़ी-ब्राहमणा के इएसआई अस्पताल में भेज दिया गया है। इसके अलावा बाहरी राज्यों से आए सात अन्य लोगों को भी आज रिपोर्ट आने के बाद पाजिटिव पाया गया। इसके अलावा बड़ी-ब्राहमणा का भी एक युवक पाजिटिव पाया गया है जबकि जम्मू के दो लोग व दिल्ली, उत्तरप्रदेश, पश्चिम बंगाल के भी एक-एक व्यति को पाजिटिव पाया गया है। वहीं गत दिवस विजयपुर के वार्ड-8 में कोरोना पाजिटिव पाई गई महिला के दो परिजनों के भी आज ठंडी खुई में सेपंल लिए गए। इसके अलावा इसके संपर्क में 5 अन्य लोगों को भी एतिहात के तौर पर घरों में ही कवारंटीन किया गया है। संक्रमित पाई गई महिला के घर के आसपास कंटीली तार लगा कर फिलहाल वार्ड के लोगों को बेवजह बाहर आने से मना किया गया है। इसके अलावा विभाग के अनुसार आज 5 और संक्रमित रिकवर हो गए जिन्हें घर भेज दिया गया है। जिले में अब एक्टिव मामलों की संख्या 44 रह गई है।

ऑफ द रिकॉर्डः मुफ्त खाने का वायदा 8 करोड़ से, मई-जून में दिया 2 करोड़ लोगों को

नई दिल्ली। कोरोना लॉकडाऊन के दौरान 8 करोड़ प्रवासी श्रमिकों का पेट भरने के लिए केंद्र सरकार ने हर महीने पांच किलो राशन मुफ्त देने हेतु आत्मनिर्भर भारत अभियान शुरू किया है, लेकिन मई महीने में मुफ्त राशन केवल 1.20 करोड़ लोगों तक पहुंचा, जबकि जून में योजना के लाभार्भियों की संख्या घटकर महज 89.88 लाख रह गई। सरकार ने 8 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न की व्यवस्था की थी, लेकिन राज्यों ने इसमें से केवल 6.39 लाख मीट्रिक टन अनाज ही उठाया। इसमें से मई और जून के दौरान 99,207 मीट्रिक टन अनाज लोगों को दिया गया। ऐसे 1.96 करोड़ परिवारों में से प्रत्येक को मई और जून में एक-एक किलो दाल भी दी जानी थी। इसके लिए सरकार ने 39,000 मीट्रिक टन दाल की भी व्यवस्था की थी। राज्यों ने इसमें से केवल 31,868 मीट्रिक टन दाल उठाई, लेकिन लोगों को अभी तक 4,702 मीट्रिक टन दाल ही मिली है। केंद्र सरकार का दावा है कि अनाज के लिए 3109 करोड़ और दाल के लिए 280 करोड़ रुपए का पूरा खर्च वह खुद उठाएगी। भारतीय खाद्य निगम (एफ.सी.आई.) के 28 जून के आंकड़ों के अनुसार निगम के पास 816.60 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न मौजूद है। अगले एक महीने में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लिए लगभग 55 लाख मीट्रिक टन अनाज की जरूरत पडने का अनुमान है, मगर खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री रामविलास पासवान अभी भी दावा कर रहे हैं कि 8 करोड़ श्रमिकों के लिए सभी राज्यों ने मई-जून में मुफ्त वितरण के लिए अपने कोटे का अनाज और चना उठा लिया है तथा वितरण भी जारी है।

सुंदरबनी में राजमार्ग बंद कर बिजली विभाग के खिलाफ प्रदर्शन, ट्रांसफार्मर को सुचारू नहीं किया तो होगा पूर्ण बंद

सुंदरबनी (एजेंसी)।

बिजली विभाग की लचर कार्यप्रणाली और चरमराई बिजली व्यवस्था से नाराज सुंदरबनी व्यापार मंडल के सदस्यों ने सुंदरबनी के मुख्य चौक में राजमार्ग को बंद कर प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस दौरान सुंदरबनी व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजीव गुप्ता के साथ काफी संख्या में व्यापार मंडल के सदस्यों ने जम्मू-पुंछ राजमार्ग पर धरना देकर बिजली विभाग हाय-हाय के नारे लगाए। उनका कहना था कि बीते कई माह से सुंदरबनी के स्योट का ग्रिड स्टेशन बनकर तैयार है और मात्र इस ग्रिड स्टेशन का शुभारंभ करना बाकी है मगर राज्य प्रशासन की लचर कार्यप्रणाली के चलते जहां लोग लो वोल्टेज और बिजली की अघोषित कटौती से परेशान हैं तो वहीं सरकार कोरोना महामारी के समाप्त होने के उपरांत काफी संख्या में जनता को एकत्रित कर इस ग्रिड स्टेशन का फीता काट वाहवाही लूटने के चक्कर में है। यह व्यवस्था जनता के लिए दिन प्रतिदिन नासूर बनती जा रही है। मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी सुंदरबनी संजीव सलाथिया ने राजमार्ग को खुलवाने की कोशिश की मगर व्यापार मंडल के सदस्यों ने चेतावनी भरे शब्दों में कहा कि अगर 2 दिनों के भीतर स्योट ग्रिड स्टेशन और सुंदरबनी ग्रिड में बीते 2 वर्षों से जमीन पर पड़े हुए अतिरिक्त ट्रांसफार्मर को सुचारू नहीं किया गया तो 2 दिनों के उपरांत सुंदरबनी पूर्ण रूप से बंद होगा। व्यापार मंडल के सदस्यों सहित सैकड़ों की संख्या में लोग राजमार्ग से तब तक नहीं हटेंगे जब तक उनके साथ इंसाफ ने किया जाता। बिल्लू गुप्ता ने कहा कि गत वर्ष सुंदरबनी के दौरे पर आए मंडलायुक्त जम्मू ने आश्वासन दिया था अगस्त 2019 में स्योट ग्रिड स्टेशन से चालू होगा मगर 1 वर्ष बीत जाने के उपरांत भी उनके दावे कोरे कागज की भांति प्रतीत हुए। इस दौरान अतुल गुप्ता, शिशुपाल गुप्ता, राकेश गुप्ता, संजीव गुप्ता, पवन गुप्ता, बलदेव रैना, तिलक राज रैना सहित काफी संख्या में सुंदरबनी के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

मथुरा के लाल की अंतिम विदाई, शहीद कांस्टेबल की मां का हाल देख भर आएंगी आंखें

नेशनल डेस्क। कानपुर जिले में अपराधियों के साथ मुठभेड़ में उत्तर प्रदेश की पुलिस ने अपने 8 बहादुर जवानों को खो दिया है। इस हादसे में मथुरा का भी एक लाल भी शहीद हो गया है, जिसे आज नम आखों से विदाई दी गई। एक वर्ष पूर्व ही उप्र पुलिस में भर्ती हुए सिपाही जितेंद्र कुमार सिंह आगरा-मथुरा राजमार्ग पर रिफाइनरी थाना सीमा अंतर्गत बरारी गांव के निवासी थे। उनके परिवार में उनके पिता तीर्थपाल सिंह, मां व भाई-बहन हैं। बता दें कि चार भाई-बहनों में जितेंद्र सबसे बड़ा था। उससे छोटा भाई ज्योति भी पुलिस की तैयारी कर रहा था। जितेंद्र के शहीद होने की सूचना मिलते ही उसके परिवार में कोहराम मच गया। उनकी मां का रो-रो कर बुरा हाल है, जिसे देख हर किसी की आंखे नम हो गई। उनकी मां का रो-रो कर बुरा हाल है, जिसे देख हर किसी की आंखे नम हो गई। बदमाशों द्वारा किए गए इस हमले में बिल्हौर के क्षेत्राधिकारी डीएसपी देवेंद्र मिश्रा (54), थानाध्यक्ष शिवराजपुर महेश कुमार यादव (42), उप निरीक्षक अनूप कुमार सिंह (32), उप निरीक्षक नेबू लाल (48), कांस्टेबल जितेंद्र पाल (26), सुल्तान सिंह (35), बबलू कुमार (23) और राहुल कुमार (24) शहीद हो गए थे।

कुलगाम में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़, एक आतंकी ढेरए जेसीईओ सहित तीन जवान घायल

श्रीनगर। कुलगाम में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई है। एक उग्रवादी के मारे जाने की भी खबर है। वहीं जेसीईओ सहित तीन जवान घाायल हो गये हैं। उन्हें सेना के 92 बेस अस्पताल में भर्ती किया गया है। सुरक्षाबलों को दक्षिण कश्मीर के अरीह इलाके में आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी। सेना की 3 आरआर और पुलिस ने सर्च अभियान चलाया तो छिपे हुये आतंकियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। मौके पर दो से तीन आतंकी होने की आशंका है। जनकारी के अनुसार सुरक्षाबलों ने अरही इलाके में सर्च अभियान चलाकर संदिग्ध जगह पर आतंकियों को समर्पण करने को कहा पर उन्होंने जवाब में फायरिंग शुरू कर दी जिससे मुठभेड़ शुरू हो गई। पुलिस के अधिकारी ने इस बात की पुष्टि की है और कहा कि दोनों तरफ से फायरिंग की जा रही है। उन्होंने कहा कि दो से तीन आतंकी छिपे हो सकते हैं। वहीं स्थानीय लोगों से भी घरों में रहने को कहा गया है।

दर्दनाकः कोरोना से इकलौते बेटे की हुई मौत, गम में कुछ ही घंटों के बाद माता पिता ने भी छोड़ी दुनिया

नई दिल्ली(एजेंसी)।

देश में कोरोना का खतरा कम होने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार को एक दिन में कोविड-19 के सबसे अधिक 22,771 मामले आने के साथ ही संक्रमित लोगों की कुल संख्या 6,48,315 हो गई है जबकि 442 और लोगों की मौत होने से मृतक संख्या 18,655 हो गई है। वहीं ओडिशा के गंजम जिला में दिल को झकझौर देने वाली खबर देखने को मिली जहां कोरोना संक्रमित इकलौते बेटे की मौत के कुछ ही घंटों के बाद पति-पत्नी ने भी दुनिया छोड़ दी। जिले के कबिसरीनगर पुलिस सीमा के अंतर्गत नारायणपुरससन गांव के राजकिशोर सत्पथी और उनकी पत्नी सुलोचना सतपथी अपने 27 वर्षीय शिक्षक बेटे के भुवनेश्वर के एक अस्पताल में निधन हो जाने के बाद मृत पाए गए। दंपति के अविवाहित बेटे को गंजाम में क्वारंटाइन सेंटर में रखा गया था। वह कुछ हफ्तों से कोरोना वायरस से संक्रमित था। युवक को सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। जिसके बाद उसे भुवनेश्वर के कोविड-19 अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। कोरोना के लक्षण दिखने के बाद युवक का कोरोना टेस्ट किया गया था, जिसमें वह मंगलवार को पॉजिटिव पाया गया था। इसके बाद शुक्रवार सुबह अस्पताल में उसकी मृत्यु हो गई।

इकलौते बेटे की मौत का सदमा भी नहीं कर पाने की वजह से कुछ ही घंटों के बाद पति-पत्नी की भी मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे इलाके में गम का माहौल है।

कीडियां गंडियाल नाके पर पुलिस ने बढ़ाई सख्ती, चेक किए जा रहे आधार कार्ड

कठुआ (एजेंसी)।

पड़ोसी राज्य पंजाब को जम्मू कश्मीर से जोडने वाले कीडियां गंडियाल इलाके में पुलिस ने सख्ती को बढ़ा दिया है। रावी दरिया पर बने पुल के उस पार लगाए गए नाके पर अब सख्ती बरती जा रही है। पुलिस सहित सुरक्षाबल कीडियां की ओर से आने वाले हर नागरिक के आधार कार्ड की जांच कर रहे हैं। ऐसे में कीडियां गंडयाल के लोगों को ही कठुआ की ओर जाने की अनुमति दी जा रही है। बता दें कि कीडियां गंडियाल इलाका जिला कठुआ के अधीन आता है लेकिन इस इलाके के साथ पंजाब की सीमाएं लगती हैं। ऐसे में कई लोग पहले पंजाब से आकर यहां आवाजाही करते रहे हैं जिसके चलते पुलिस ने कोविड 19 महामारी सहित एस.ओ.पी. को ध्यान में रखते हुए सख्ती बरतना शुरू कर दी है। ताकि पंजाब के लोग यहां न आ सके। बता दें कि पड़ोसी राज्य पंजाब से लखनपुर आने वाले तमाम लोगों की कोविड जांच और उन्हें क्वारंटाइन किया जाता है जबकि कई लोग क्वारंटाइन से बचने के लिए कई अन्य वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करते हैं, जिसे देखते हुए पुलिस ने तमाम ऐसे मार्गों पर अपनी सख्ती को बढ़ाया है।

मुंबई पर भारी पड़ने वाले हैं अगले 24 घंटे, तेज बारिश का रेड अलर्ट जारी

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने मुंबई में अगले 24 घंटे के लिए रेड अलर्ट जारी करते हुए अत्यधिक भारी बारिश होने का अनुमान जताया है। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को पालघर, मुंबई, ठाणे और रायगड में कई स्थानों पर मूसलाधार बारिश होने की आशंका है। इससे पहले विभाग ने मुंबई और आसपास के क्षेत्रों में शनिवार को मूसलाधार बारिश का अनुमान लगाते हुए कुछ स्थानों पर बहुत भारी वर्षा से अत्यधिक भारी वर्षा का अनुमान जताया था। शुक्रवार देर रात मौसम विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि अगले 24 घंटे, यानि तीन और चार जुलाई के बीच, मुंबई, रायगड और रत्नागिरि के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। कुछ जगहों पर मूसलाधार बारिश होने की आशंका है। अधिकारी ने कहा कि चार जुलाई को पालघर, मुंबई, ठाणे और रायगड जिलों में कुछ जगहों पर मूसलाधार बारिश होने की संभावना है। कुछ जगहों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने का अनुमान है। गौरतलब है कि रत्नागिरी जिले में पिछले महीने आये चक्रवाती तूफान निसर्ग से भी काफी नुकसान हुआ था।

दुनिया में कोरोना से 5.24 लाख से अधिक मौतें, संक्रमण मामले में 10 देश सबसे अधिक प्रभावित

इंटरनेशनल डेस्क(एजेंसी)।

वैश्विक महामारी कोरोना वायरस का प्रकोप लगातार बढ़ता ही जा रहा है और दुनिया भर में इसके संक्रमितों की संख्या 1.10 करोड़ से अधिक हो गई तथा संक्रमण से मरने वालों की संख्या 5.24 लाख के पार हो गई है। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (ष्टस्स्श्व) की ओर से जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार विश्व भर में कोरोना संक्रमितों की संख्या 110,48,509 हो गयी है जबकि 524,663 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। कोरोना के मामले में अमेरिका दुनिया भर में पहले, ब्राजील दूसरे और रूस तीसरे स्थान पर है। वहीं इस महामारी से हुई मौतों के आंकड़ों के मामले में अमेरिका पहले, ब्राजील दूसरे और ब्रिटेन तीसरे स्थान पर है। भारत में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण के 22,771 नए मामले सामने आए हैं और अब कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 6,48,315 हो गई है। इसी अवधि में कोरोना वायरस से 442 लोगों की मृत्यु होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 18,655 हो गई है। देश में इस समय कोरोना के 2,35,433 सक्रिय मामले हैं और अब तक 3,94,227 लोग इस महामारी से निजात पा चुके हैं। भारत संक्रमण के मामले में विश्व में सबसे अधिक प्रभावित देशों की सूची में चौथे स्थान पर है। विश्व महाशक्ति माने जाने वाले अमेरिका में कोरोना से अब तक 27,93,435 लोग संक्रमित हो चुके हैं तथा 129,432 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। ब्राजील में अब तक 1,539,081 लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं जबकि 61,884 लोगों की मौत हो चुकी है। रूस में भी कोविड-19 का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है और यहां इसके संक्रमण से अब तक 666,941 लोग प्रभावित हुए हैं तथा 9,844 लोगों ने जान गंवाई है। पेरु में लगातार हालात खराब होते जा रहे है वह इस सूची में पांचे नम्बर पर पहुंच गया है वहां संक्रमितों की संख्या 295,599 हो गई तथा 10,226 लोगों की मौत हो चुकी है। संक्रमण के मामले में चिली विश्व में छठे स्थान पर आ गया हैं। यहां अब तक कोरोना वायरस से 288,089 लोग संक्रमित हुए हैं और मृतकों की संख्या 6,051 है। ब्रिटेन संक्रमण के मामले में सातवें नंबर पर आ गया है। यहां अब तक इस महामारी से 2,85,787 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 44,216 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। आठवें स्थान पर स्पेन में अब तक 250,545 लोग संक्रमित हुए है जबकि 28,385 लोगों की मौत हो चुकी है। कोरोना संक्रमण के मामले में मेक्सिको इटली से आगे निकल कर नौवें स्थान पर आ गया है और यहां संक्रमितों की संख्या 245,251 पहुंच गई है और अब तक इस वायरस से 29,843 लोगों की मौत हुई है। यूरोपीय देश इटली में भी इस महामारी ने बहुत कहर बरपाया है। वह दसवें स्थान पर है यहां अब तक कोविड-19 से 241,184 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 34,833 लोगों की मौत हुई है। ईरान में संक्रमितों की संख्या 235,429 हो गई है और 11,260 लोगों की इसके कारण मौत हुई है। पड़ोसी देश पाकिस्तान कोरोना संक्रमितों के मामले में फ्रांस से भी आगे निकल गया है। यहां संक्रमितों की संख्या दो लाख से अधिक हो गयी है। यहां अब तक 221,896 लोग संक्रमित हुए हैं ।

श्रीनगर में आतंकी अपना आधार नहीं बनायें , इसका ध्यान रख रहें है सुरक्षा बल : पुलिस महानिरीक्षक

श्रीनगर । श्रीनगर आतंकवाद मुक्त नहीं है क्योंकि जम्मू-कश्मीर की इस ग्रीष्मकालीन राजधानी में आतंकी किसी न किसी बहाने आते रहते हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि आतंकी यहां इलाज कराने, पैसे जुटाने और भविष्य की साजिश रचने के लिए बैठकें करने आते रहते हैं लेकिन सुरक्षा बलों ने यह सुनिश्चित किया है कि वे यहां अपना आधार नहीं बना सकें। एक सीआरपीएफ जवान को श्रद्धांजलि देने के मौके पर कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक विजय कुमार ने संवाददाताओं से कहा, श्रीनगर एक ऐसा शहर है जहां आतंकी लगातार आते हैं। कुछ चिकित्सा उपचार के लिए, कुछ पैसे जुटाने और कुछ बैठकें करने आते रहते हैं। इसलिए यह कहना उचित नहीं होगा कि श्रीनगर आतंकवाद मुक्त है। आतंकवादी यहां आते रहेंगे, हम सूचना प्राप्त करते रहेंगे और मुठभेड़ करेंगे । शहर के मालबाग इलाके में बृहस्पतिवार रात को हुई मुठभेड़ में एक जवान शहीद हो गए थे। इस अभियान में एक आतंकवादी को भी मार गिराया गया था। पिछले कुछ महीनों से शहर में मुठभेड़ की बढ़ती संख्या के सवाल पर कुमार ने कहा कि यह सुरक्षा बलों द्वारा की गईं निवारक कार्रवाई थीं। उन्होंने कहा, श्रीनगर में कोई हमले नहीं हुए थे, ये मुठभेड़ थीं.... पुष्ट सूचना के आधार पर सुरक्षा बलों द्वारा की गई निवारक कार्रवाई थी। कुमार ने कहा कि अगर जिले में कोई मुठभेड़ नहीं होती तो इसका यह मतलब नहीं है कि यहां आतंकवादी नहीं हैं।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना संक्रमण को नियंत्रित रखने राज्य सरकार का पूरा फोकस सूरत परः मुख्यमंत्री

सूरत में उच्चस्तरीय बैठकें बुलाकर सीएम और डिप्टी सीएम ने की कोरोना संक्रमण के हालात की सर्वग्राही समीक्षा

सुरत, मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने स्पष्ट कहा है कि सूरत शहर में बढ़ रहे कोरोना वायरस संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए राज्य सरकार ने सूरत शहर पर पूरा फोकस किया है। शनिवार सुबह विजय रूपाणी ने उप मुख्यमंत्री नितिनभाई पटेल के साथ सूरत पहुंचकर जिला और शहर प्रशासन के अधिकारियों, स्वास्थ्य सेवा से जुड़े चिकित्सकों, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के प्रतिनिधियों और जिले के सांसद एवं विधायकों के साथ अलग–अलग विस्तृत बैठक आयोजित कर स्थिति की सर्वग्राही समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से सूरत शहर में कोरोना संक्रमण के मामलों में वृद्धि को देखते हुए सरकार ने और भी गहन व्यवस्था कर स्वास्थ्य विभ. ाग के प्रधान सचिव सहित चार वरिष्ठ सि. चवों को सूरत में कैं प कर स्थिति पर काबू पाने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार रोजाना शाम वीडियो का. न्फ्रेंसिंग के जरिए सूरत में कोरोना संक्रमण की स्थिति की जानकारी प्राप्त कर रही है और विश्लेषण के बाद समुचित दिशा–निर्देश भी दे रही है। उन्होंने इन समीक्षा बैठकों के बारे में मीडिया को विस्तार से जानकारी दी। रूपाणी ने सूरत शहर में कोरोना वायरस संक्रमण के नियंत्रण और उपचार की दिशा में किए गए अहम निर्णयों की जानकारी भी उप मुख्यमंत्री की मौजूदगी में दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सूरत शहर में निर्माणाधीन 800 बिस्तरों वाले किडनी हॉस्पिटल और 600 बिस्तरों के स्टेम सेल हॉस्पिटल को शीघ्रता से कोविड डेडिकेटेड हॉस्पिटल के रूप में कार्यरत करने को राज्य सरकार 100 करोड़ रुपए देगी।

उन्होंने कहा कि स्टेम सेल हॉस्पिटल को आगामी 8 से 10 दिनों में और किडनी हॉस्पिटल को 1 महीने में तेजी से कार्यरत करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने तंत्रवाहकों को निर्देश दिए हैं।

नम आंखों के बीच कानपुर मुठभेड़ में शहीद पुलिसकर्मियों का हुआ अंतिम संस्कार

लखनऊ (एजेसी)। उप्र के कानपुर नगर जिले के अपराधी विकास दुबे के साथ मुठभेड़ में शहीद हुए पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों का शनिवार को उनके गृह जनपदों झांसी, कानपुर, प्रतापगढ़ व औरैया में पूरे राजकीय सम्मान के साथ और नम आंखों से अंतिम संस्कार कर दिया गया। झांसी के सिपाही सुल्तान सिंह का पूरे राजकीय सम्मान के साथ उसके गृह निवास ग्राम बूड़ा भोजला में अंतिम संस्कार कर दिया गया। शुक्रवार को मध्य रात्रि शहीद सुल्तान सिंह (34) का पार्थिव शरीर पुलिस लाइन झांसी लाया गया। जहां उसे गार्ड ऑफ ऑनर के साथ सलामी दी गई। साथ ही पुलिस प्रशासनिक एवं पुलिस अधि ाकारियों द्वारा श्रद्धांजलि दी। इस दौरान शहीद सुल्तान के परिजन एवं बड़ी संख्या में पुलिस परिवार के लोग भी शामिल हुए। साथ ही झांसी रेंज के आईजी सुभाष बघेल सहित डीएम ए. वामसी, एसएसपी डी. प्रदीप कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। इस मौके पर जिला अधिकारी वामिसी ने कहा कि इस घटना के शिकार हुए शहीद सुल्तान सिंह के परिजनों को शासन द्वारा घोषित आर्थिक मदद एवं परिजन को सरकारी नौकरी अविलंब दे दी जाएगी साथ ही उनके परिजनों को हरसंभव मदद दी जाएगी। शासन प्रशासन उनके परिवार के साथ खड़ा है। गुरुवार देर रात को कानपुर में हुई एक मुठभेड़ के दौरान अपराधियों की गोलियों का शिकार बने पुलिसकर्मियों में एक कॉन्स्टेबल सुल्तान सिंह झांसी के सीपरी बाजार क्षेत्र में बूढ़ा भोजला गांव के रहने वाले थे।

उधर, कानपुर में पुलिस उपाध ीक्षक देवेंद्र कुमार मिश्रा का अंतिम संस्कार शनिवार दोपहर शहर के भैरोघाट पर किया गया। शहीद मिश्रा का अंतिम संस्कार उनकी बेटी वैष्णवी मिश्रा ने किया। वैष्णवी अंतिम संस्कार करते समय बुरी तरह से रो रही थी उसके परिजनों और पुलिस अधिकारियों ने उसे ढांढस बंधाया। अंतिम संस्कार के समय मिश्रा के परिजन मौजूद थे। वहीं एडीजी जेएन सिंह, पुलिस महानिरीक्षक मोहित अग्रवाल और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश प्रभू के अलावा प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद थे। बाद में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश प्रभु ने कहा कि शहीद मिश्रा का बलिदान व्यर्थ नही जायेंगा। शहीद देवेंद्र मिश्रा बिल्हौर में क्षेत्राधिकारी के पद पर तैनात थे।

वहीं प्रतापगढ़ में मुठभेड़ में शहीद उपनिरीक्षक अनूप सिंह का शनिवार को पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनके गाँव सदर तहसील क्षेत्र के मानधाता बेलखरी गाँव में किया गया। मुठभेड़ में शहीदों में जिले के बेलखरी गाँव के उपनिरीक्षक अनूप सिंह भी शामिल थे, जिनका पार्थिव शरीर शुक्रवार रात को गांव पहुंचा। शनिवार को उनका अंतिम संस्कार गाँव में ही उनकी बाग में बनाए गए अंत्येष्ठि स्थल पर पूरे राजकीय सम्मान और गार्ड आफ आनर के साथ किया गया। अंतिम संस्कार की क्रिया शहीद के पिता रमेश बहादुर सिंह ने दी। शहीद के एक बेटा और एक बेटी है। इस दौरान जिले के प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के अतिरिक्त शहीद के परिजन भी मौजूद थे। उधर, औरैया जिले के रुरुकला के रहने वाले आरक्षी राहुल का पार्थिव शरीर अंतिम संस्कार के लिए अंत्येष्टि स्थल पर लाया गया, जिनका राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। शहीद के अंतिम संस्कार में राज्यमंत्री लाखन सिंह राजपूत सहित जिले के जिलाधिकारी और पुलिस अध ीक्षक के साथ आरक्षी के परिजन भी मौजूद थे।

मुठभेड़ में शहीद होने वाले पुलिसकर्मियों में बिल्हौर के क्षेत्राधिकारी डिप्टी एसपी देवेंद्र मिश्रा (54), थानाध्यक्ष शिवराजपुर महेश कुमार यादव (42), सब इंस्पेक्टर अनूप कुमार सिंह (32), सब इंस्पेक्टर नेबू लाल (48), कांस्टेबिल जितेंद्र पाल (26), सुल्तान सिंह (34), बबलू कुमार (23) और राहुल कुमार (24) शामिल हैं। विदित हो कि गुरुवार देर रात कानपुर के चैबेपुर थाना क्षेत्र के गांव बिकरू निवासी एवं 25 हजार के इनामी अपराधी विकास दुबे को उसके गांव में पकड़ने पहुंची पुलिस टीम पर हमला कर दिया गया था जिसमें एक क्षेत्राधिकारी एक थानाध्यक्ष समेत आठ पुलिस कर्मी शहीद हो गए। जबकि में पांच पुलिसकर्मी, एक होमगार्ड और एक आम नागरिक घायल हैं।

बालश्रम के विरूद्ध कार्यवाही करें–पवन

जयपुर (एजेंसी)। श्रम एवं नियोजन विभाग के शासन सचिव डॉ. नीरज के पवन ने शासन सचिवालय स्थित मीटिंग कक्ष से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम बाल श्रमिकों की रोकथाम के लिए राज्य स्तरीय बाल श्रमिक परियोजना मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक में बाल श्रम जैसी कुप्रथा को सम्पूर्ण समाप्त करने के लिए विभाग के अधिकारियों को कहा कि विभागीय अधिकारी संबंधित अन्य विभागों से समन्वय कर बाल श्रम के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करें और बाल श्रमिकों का नियोजन एवं पलायन को रोकें।

शासन सचिव ने कहा कि कोरोना की वजह से हुए लॉकडाउन के कारण गत 2–3 माह में लगभग सभी उद्योग बंद रहे हैं। अब उद्योगों के प्रारंभ होने की शुरूआत हुई है। इसके साथ ही सभी श्रमिक अपने–अपने निवास स्थान से पुनः अपने नियोजन स्थल की ओर प्रस्थान कर रहे हैं। यह श्रमिकों एवं उद्योगों के लिए एक नई शुरूआत है। यहां हमें यह ध्यान रखना है कि इस दौर में श्रमिकों के काम पर लौटने के साथ–साथ कहीं बाल श्रमिक भी किसी कार्य में नियोजन के लिए प्रस्थान ना कर लें। इसलिए श्रम विभाग के निरीक्षक एवं अधिकारी अन्य सभी संबंधित विभागों पुलिस, चाइल्ड लाईन, जिला प्रशासन, बाल कल्याण समितियां आदि के समन्वय एवं सहयोग से बाल श्रमिकों का नियोजन एवं पलायन रोकें। पवन ने जिलों में जिला कलक्टर की अध्यक्षता में गठित टास्क फोर्स की बैठक शीघ्र आयोजित करने के निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि किसी भी संस्थान में कार्यरत बाल श्रमिक को मुक्त कराने पर बाल श्रमिकों के नियोजकों से सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के अनुसार 20 हजार रुपए की वसूली कर इस

भारत–चीन के व्यापारिक रिश्तों में तनातनी और बढ़ने के आसार लिपुलेख दर्रे से व्यापार होगा बंद

पिथौरागढ़ (एजेंसी)। भारत–चीन के बीच बढ़ते विवाद के बाद कैलाश मानसरोवर यात्रा के साथ लिपुलेख दर्रे से होने वाले भारत–चीन व्यापार पर भी खतरे के बादल मंडराने लगे हैं। इस वर्ष कोविड–19 के चलते इस रास्ते से भारत–चीन व्यापार नहीं हो पाया है। भारत–चीन व्यापार में जाने वाले व्यापारियों ने भी अंदेशा जताया है कि भारत और चीन के बीच सीमा विवाद की स्थिति ऐसी ही रही तो इस रास्ते से व्यापार बंद हो सकता है। साथ ही उन्होंने देशहित में चीन से व्यापार छोड़ने की बात भी कही। मालूम हो कि पिछले कुछ सालों से आयात और निर्यात में काफी कमी आई है। भौगोलिक परिस्थितियां अथवा सुविधाओं की कमी और दोनों देशों के बीच होने वाले व्यापार में दिनों–दिन कमी आती जा रही है। समुद्र तल से 17 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित लिपुलेख दर्रे से होने वाले इस व्यापार की प्रमुख मंडी पिथौरागढ़ जिले का गुंजी और तिब्बत में तकलाकोट हैं। दोनों मंडियों में दोनों देशों के व्यापारी कारोबार कर सकते हैं। बावजूद इसके भारतीय कारोबारी तो तकलाकोट जाते हैं, लेकिन चीन के व्यापारी गुंजी आने से कत. राते हैं। इतना ही नहीं वर्ष 2016 के बाद इस व्यापार में आयात और निर्यात में कमी आई है। वर्तमान में यह व्यापार घटकर आधे से भी कम रह गया है। आयात लगातार बढ़ता जा रहा है लेकिन निर्यात में काफी कमी आई है।

वर्ष 1962 में बंद हो गया था व्यापार

भारत–चीन सीमा पर दोनों देशों के बीच व्यापार की परंपरा सदियों पुरानी हैं। वर्ष 1962 में भारत–चीन युद्ध के बाद यह व्यापार बंद हो गया था। 1992 में करीब 32 साल बाद दोनों देशों की सहमति से इसे फिर से शुरू किया गया। व्यापार के लिए एक जून से 30 सितंबर की तिथि तय है। हालांकि कई बार इसे बढ़ाकर 31 अक्टूबर कर दिया जाता है। व्यापार के दौरान सहायक ट्रेड अधिकारी गुंजी में कार्य करते हैं। शेष अवधि में धारचूला में कार्य चलता है। व्यापार संचालन के लिए कालापानी में कस्टम चौकी और गुंजी में स्टेट बैंक की शाखा भी खोली जाती है।

खच्चरों से लादकर पहुंचाते हैं तकलाकोट सामग्री

दोनों देशों के बीच घटते व्यापार की एक बड़ी वजह व्यापारियों की समस्याएं भी हैं। चीन ने तकला. कोट मंडी तक सड़क पहुंचा दी है। चीनी व्यापारी आसानी से मंडी तक सामान पहुंचाते हैं। लेकिन भारत लिपुलेख तक वर्ष 2020 में सड़क पहुंचा पाया है। यहां पर व्यापारी घोड़े खच्चरों में सामान लादकर तकलाकोट पहुंचाते हैं। वर्षाकाल में व्यापारियों का अधिकांश सामान तकलाकोट पहुंचते–पहुंचते खराब भी हो जाता है। इससे उन्हें काफी नुकसान झेलना पड़ता है।

2002 के बाद नहीं आया चीनी व्यापारी

भारत–चीन व्यापार को लेकर चीन के व्यापारियों में कोई उत्साह नहीं है। वर्ष 2002 के बाद से आज तक किसी भी चीनी व्यापारी ने व्यापार के लिए गुंजी में कदम नहीं रखा है। लेकिन भारतीय व्यापारी प्रत्येक वर्ष व्यापार के लिए चीन जाते हैं।

इन चीजों का होता है व्यापार

गुड़, मिश्री, कॉस्मेटिक सामान, एल्यूमीनियम के बर्तन, कॉफी, टाफियां, सुर्ती, ऊन, तिब्बती चाय, छिरबी, याक की पूंछ, जैकेट, कंबल, जूते, चीन निर्मित रजाइयां आदि।

सूरत में उच्चस्तरीय बैठकें बुलाकर सीएम और डिप्टी सीएम ने की

मुख्यमंत्री ने सूरत के लिए अतिरिक्त 200 वेंटिलेटर आवंटित करने की घोषणार करते हुए कहा कि रविवार शाम तक ये वेंटिलेटर सूरत पहुंच जाएंगे। उन्होंने साफ कहा कि सूरत में विशेषकर हीरा और कपड़ा उद्योगों के कारण कोरोना मामलों की संख्या में इजाफा हुआ है, ऐसे में इसकी रोकथाम के उपाय के रूप में सामाजिक दूरी सहित अन्य नियमों का सख्ती से पालन करने वाले उद्योगों को ही सरकार काम चालू रखने की इजाजत देगी। उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में हीरा और टेक्सटाइल क्षेत्र अग्रणियों के साथ राज्य के स्वास्थ्य मंत्री और जिला प्रशासन के अधिकारी बैठक कर उचित निर्णय लेंगे। हालांकि नियमों का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करने को सरकार प्रतिबद्ध है और रहेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सूरत शहर में 145 से अधिक धन्वंतरी रथ के जरिए 500 से अधिक स्थानों पर नियमित कैंप कर रोजाना 12 से 15 हजार लोगों को बुखार और सर्दी जैसी आम बीमारियों के लिए प्रिवेंटिव हेल्थ केयर–दवाइयां वितरित की जा रही हैं। सूरत जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में भी अतिरिक्त 30 ध न्वंतरी रथ कार्यरत करने का उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिया। रूपाणी ने कहा कि प्रिवेंटिव हेल्थ केयर के दौरान यदि किसी व्यक्ति में कोरोना के लक्षण नजर आते हैं तो उसे जांच और इलाज के लिए सरकारी अस्पताल में रेफर भी किया जाता है। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमित व्यक्तियों को हॉस्पिटल में भर्ती रहने के दौरान उनके परिजनों के साथ बातचीत करने के लिए साथ में मोबाइल रखने की छूट दी है। उन्होंने कहा कि यदि किसी संक्रमित व्यक्ति के पास मोबाइल फोन नहीं है तो ऐसे मरीजों के लिए हॉस्पिटल के काउंटर या हेल्थ वर्कर के मोबाइल फोन से भी अपने स्वजनों के साथ संपर्क करने की व्यवस्था की जाएगी। मुख्यमंत्री ने सूरत शहर और ग्रामीण जिले में अधिक गहन सर्विलांस की विस्तृत योजना की जानकारी देते हुए कहा कि अब इस संक्रमण को फैलने से रोकने की सतर्कता सरकार और नागरिकों को विशेष रूप से रखनी होगी। इसके लिए सामाजिक दूरी के नियमों की पालना, मास्क का अनिवार्य उपयोग, लगातार हाथ धोने और सैनेटाइज करने जैसे रक्षात्मक उपायों को अपनाकर कोरोना के खिलाफ इस लंबी लड़ाई में विजय प्राप्त करने की अपील मुख्यमंत्री ने की। समीक्षा बैठकों और मुख्यमंत्री के सूरत दौरे के दौरान स्वास्थ्य राज्य मंत्री किशोर कुमार कानाणी, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव के. कैलाशनाथन, स्वास्थ्य विभाग की प्रधान सचिव डॉ. जयंती रवि, सचिव श्री मिलिंग तोरवणे और सूरत के लिए विशेष तौर पर नियुक्त प्रशासनिक अधि ाकारियों सहित स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी भी उपस्थित थे।

Get Instant Car Insurance

Call 9879141480

Car insurance is a concept through which you can safeguard your money in case of damage to your car.

Get Instant Health Insurance

Call 9879141480

Financial coverage for medical expenses, in case of a medical emergency.

कॉलेज की तीन छात्र गांजा खरीदते रंगे हाथ धरे गए

क्रांति समय (सुरत)

राजकोट, राजकोट एसओजी पुलिस ने शहर के पर्णकुटीर क्षेत्र में कॉलेज के तीन छात्रों को उस समय दबोच लिया जब वह एक शख्स से गांजा खरीद रहे थे।

पुलिस ने गांजा के साथ चार शख्सों को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरू की हैं। जानकारी के मुताबिक राजकोट एसओजी पुलिस शहर के पर्णकुटीर क्षेत्र से गुजर रही थी। उस वक्त दुपहिया वाहन पर चार शख्सों की संदिग्ध हरकतें देख पुलिस रुक गई और उनसे पूछताछ की चारों शख्सों की तलाशी में गांजा बरामद होने से पुलिस चौंक उठी पुलिस ने चारों शख्सों को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में पता चला कि तीन युवक कॉलेज के छात्र थे और चौथा शख्स गांजा बेचने वाला पुलिस ने एफवाय बी.कॉम के छात्र केयूर वाघेला, एफवाय बीएससी के छात्र जतीन पंचासरा, डिप्लोमा मिकेनिकल के छात्र किशन वाघेला और गांजा बेचने वाले वीरेन्द्र देसाई को गिरफ्तार कर लिया वीरेन्द्र देसाई पहले भी जुए के मामले में पकड़ा जा चुका हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)